www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
22 नवम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 190 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

योगी आदित्यनाथ की मां का हुआ अंतिम संस्कार

मां की अंतिम विदाई में भावुक हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरिद्वार के चंडी घाट पर सावित्री देवी का अंतिम संस्कार, छोटे बेटे महेंद्र सिंह बिष्ट ने दी मुखाग्नि



हरिद्वार (अलना)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शनिवार को हरिद्वार स्थित नमामि गंगे घाट (चंडी घाट) पर पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार किया गया। 91 वर्षीय सावित्री देवी का शुक्रवार सुबह उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के उनके पैतृक गांव पंचूर में निधन हो गया था। मां के निधन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनका परिवार गहरे शोक में है। शनिवार सुबह पैतृक गांव पंचूर से सावित्री देवी की पार्थिव देह अंतिम संस्कार के लिए हरिद्वार रवाना की गई। अंतिम यात्रा लक्ष्मण झूला-कांडी मोटर मार्ग से होते हुए चंडी घाट पहुंची। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। चंडी घाट पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी मां के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर अंतिम दर्शन किए। इस दौरान वह बेहद भावुक नजर आए। परिवार के सदस्यों ने भी नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। योगी आदित्यनाथ के छोटे भाई महेंद्र सिंह बिष्ट ने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार मुखाग्नि दी।

मुख्यमंत्री धामी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी चंडी घाट पहुंचे और सावित्री देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा उत्तराखंड शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अंतिम संस्कार में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और बृजेश सिंह सहित दोनों राज्यों के अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। हरिद्वार के सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, गोरखपुर के सांसद रवि किशन और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

संत—महात्माओं और अखाड़ा परिषद के पदाधिकारियों ने भी दी विदाई

धार्मिक जगत की कई प्रमुख हस्तियां भी अंतिम संस्कार में शामिल हुईं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी, योग गुरु स्वामी रामदेव, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद, आचार्य बालकृष्ण, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरि, आचार्य प्रमोद कृष्णम, श्रीमहंत रूपेंद्र प्रकाश, बाबा हठयोगी, महंत संजय महाराज, महंत ऋषिश्वरानंद और स्वामी कल्याण देव महाराज सहित अनेक संत-महात्माओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, मदन कौशिक और प्रदीप बत्रा, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, मुख्य सचिव आनंद वर्धन, एडीजी एपी अंशुमान, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, कुंभ मेलाधिकारी सोनिका, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी समेत देशभर के नेताओं ने जताया शोक

सावित्री देवी के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित देश के कई वरिष्ठ नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

भारतीय सैनिक को लगे दुश्मन की गोली तभी मिलेगी पेंशन, ये जरूरी नहीं



नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय सेना से एक जवान से जुड़े पेंशन के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सैनिक भूलवश दुश्मन की गोली लगे बिना भी घायल हो जाता है तो उसे वॉर इंजरी एलिमेंट के तहत पेंशन दी जाएगी। क्या भारतीय सेना के किसी भी जवान को पेंशन तभी मिलनी चाहिए, जब वह दुश्मन की गोली से घायल हो? ये सवाल इसलिए उठा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में ऐसी घटना को लेकर केस चल रहा था, जिसमें सेना का एक जवान पेंशन की मांग को लेकर अड़ा हुआ था। वह भूलवश अपनी ही बंदूक से चली गोली से घायल हो गया था। इस घटना के बाद वह 40 फीसदी विकलांग हो गया, लेकिन उसे वॉर इंजरी एलिमेंट (युद्ध में लगी चोट) के तहत पेंशन का हकदार नहीं माना गया। जवान इस फैसले के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया, जहां सर्वोच्च अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए उसे पेंशन देने का फैसला सुना दिया।

दुर्घटना से लगी चोट का मामला

फैसला सुनाते हुए दो जजों की बेंच ने स्पष्ट कहा कि ऐसे मामलों में सेना के जवानों को वउंडेड बैटल कैजुअल्टी (युद्ध में घायल) माना जाएगा और गंभीर रूप से घायल सैनिक पेंशन पाने का हकदार होगा। आदेश में दो स्थितियों पर विचार किया गया। दुर्घटना से गोली या किसी टुकड़े (स्प्लिंटर) से लगी चोट, या फिर अपने ही सैनिकों की गोलीबारी से लगी चोट। दोनों ही स्थितियों में, यह चोट दुश्मन या उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चलाने के दौरान लगनी चाहिए। मौजूदा मामला पहले पहलू, यानी दुर्घटना से लगी चोट पर आधारित है।

पेंशन दी जानी चाहिए

युद्ध में लगी चोट के तहत पेंशन पाने के लिए सेना के जवानों का दुश्मन की गोली से घायल होना जरूरी नहीं है। अगर कोई सैनिक किसी ऑपरेशन के दौरान अपनी ही बंदूक से या अपने ही साथियों की गोलीबारी से घायल हो जाता है, तो भी उसे यह पेंशन दी जानी चाहिए।

मणिपुर में जहरीली शराब से 15 की मौत

600 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती; 2026 में 6 राज्यों में 120 से ज्यादा जानें गईं

इंफाल (एजेंसी)। *मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, 600 से ज्यादा लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 3 की हालत गंभीर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले 2 से 3 दिनों में यह मामला सामने आया है। लोगों की तबीयत शराब पीने के बाद बिगड़ी। हालांकि, शराब कहां से लाई गई थी, इसकी*



पक्की जानकारी उनके पास नहीं है। साल 2026 में जहरीली शराब पीने से मध्यप्रदेश, गुजरात समेत 6 राज्यों में 120 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। मुख्यमंत्री युम्नाम खेमचंद सिंह ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की। शिजा अस्पताल के एमडी डॉ. चेतन हुंडोंगबाम के मुताबिक, अस्पताल के सभी बेड भर गए हैं।

शराब में मेथनॉल मिलाने का शक, 10 लोग गिरफ्तार- *पुलिस के मुताबिक, प्रभावित लोगों ने जो शराब पी थी, उसे मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू से खरीदा गया था। जांच में शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की आशंका है। इस मामले में अब तक करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि चंदेल जिले में स्थानीय स्तर पर शराब बनाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। ऐसे में आशंका है कि दूसरे इलाकों से शराब लाकर यहां बेची गई थी। पुलिस शराब की सप्लाई करने वालों की तलाश कर रही है।*

देश के कई राज्यों में अब ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा

यूपी में घना कोहरा, माउंटआबू में तापमान जीरो डिग्री

नई दिल्ली/पटना/जयपुर/ लखनऊ/ भोपाल (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में अब ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा है। यूपी के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट है। प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में घना कोहरा छाया।



- **चक्रवात अकवान से ओडिशा-बंगाल सहित 4 राज्यों में बारिश; दिल्ली में हवा खराब, एक्यूआई 369 पहुंचा**

राजस्थान में भी सर्दी बढ़ रही है। माउंट आबू में शनिवार को तापमान जीरो डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इस कारण ठिठुरन बढ़ गई है। सीकर में पारा 6.5 और जयपुर में 13.3 डिग्री रहा। हालांकि, दिन में गर्मी का असर बना हुआ है। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री दर्ज किया गया। चक्रवात अकवान के असर से बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बारिश हो रही है। उधर दिल्ली में शनिवार सुबह हवा की गुणवत्ता यानी एक्यूआई 369 रिकॉर्ड की गई। यह गंभीर कैटेगरी में आती है।

मप्र पहाड़ी बर्फबारी की असर, ठंडक बढ़ी- वहीं पहाड़ों में बर्फबारी का असर अब मध्य प्रदेश में भी दिखाई दे रहा है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हुई है।

बिहार में पीएम मोदी, गले मिलकर नीतीश कुमार ने किया स्वागत

- **वैशाली में 9.76 किमी लंबे 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन किया**
- **34,470 करोड़ की 227 योजनाओं का शिलान्यास**

हाजीपुर/पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर बिहार के वैशाली में गंगा पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन किया। ब्रिज का नाम बिहार के पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार के नाम पर 'नीतीश सेतु' रखा गया है।

पीएम 21 विभागों की 227 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं की लागत 34,470 करोड़ की से ज्यादा है। पुल का नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि पुल का नाम शहीद अक्षयवट राय के नाम पर होना चाहिए।



- ***इस पुल से युवाओं को पढ़ाई और बुजुर्गों को दवाई में आसानी*** *- फसल, दूध-दही को बड़े बाजार में पहुंचाना आसान हो जाएगा। युवाओं को पढ़ाई में और बुजुर्गों को दवाई में बहुत आसान हो जाएगी। आज औरंगाबाद चोरदाहा सिक्स लेन का उद्घाटन हुआ है। आपका प्यार मेरे सिर आंखों पर। मेरे पास कम समय इसलिए बात जल्दी पूरी करनी पड़ेगी। मैंने युवाओं को देखा तो वो तस्वीर मन को प्रसन्न करने वाला था। मेरे बिहार के नौजवानों को विकास की पूरी समझ है। इसीलिए उनमें इतना उत्साह मुझे नजर आ रहा है।*
- ***मेरे मित्र रामविलास जी की आत्मा भी हम पर फूलों की वर्षा करती होगी*** *- मेरे मित्र रामविलास जी की आत्मा भी हम पर फूलों की वर्षा करती होगी। पीएम मोदी ने दिवंगत रामविलास पासवान को मंच से दी श्रद्धांजलि। कहा- ये पुल उनके क्षेत्र के लोगों का सपना था।*

पीएम मोदी ने छठी मइया का नाम लेकर कही बड़ी बात

महिलाओं ने 36 घंटे का निर्जला व्रत करके परिवार समाज और जगत का कल्याण किया। छठी मइया के आशीर्वाद से ही हम आज यहां विकास का पर्व मना रहे।

50 साल पहले सेमीकंडक्टर कंपनी का विरोध हुआ: लाल झंडा दिखाया गया, फिर मैंने पहल शुरू की, देश में आज 12 प्लांट

पीएम मोदी ने शनिवार को आईआईटी खड़गपुर में कहा, 'भारत में 50 साल पहले एक कंपनी सेमीकंडक्टर बनाने आई थी, उसे लाल झंडा दिखाकर रोक दिया गया। सवाल उठे कि



इसकी क्या जरूरत है, यह देश भी बना रहा है वो देश भी बना रहा। हम बनाकर क्या हासिल कर लेंगे।' उन्होंने बताया, मैंने परवाह नहीं की। जब मैं आया तो खुद अफसरों के साथ बैठकर फाइलें तैयार करवाई। आज चार सालों में ढेर सारी सेमीकंडक्टर कंपनियां आई हैं और प्रोडक्शन शुरू किया है। मोदी ने आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली यानी स्थापना के 75 साल पूरे होने के मौके पर 23 मिनट स्पीच दी।

अरुणाचल में अमित शाह का बड़ा ऐलान

नई न्याय संहिता ला रहे हैं, शीघ्र ही मिलेगा न्याय

ईटानगर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर के बांदेरदेवा पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस प्रशिक्षण अकादमी के परेड ग्राउंड में 'प्रेसिडेंट्स पुलिस कलर' प्रदान करने के समारोह में हिस्सा लिया। अरुणाचल प्रदेश पुलिस को लोगों और राष्ट्र के प्रति उनकी समर्पित सेवा के सम्मान में प्रतिष्ठित 'प्रेसिडेंट्स कलर' से नवाजा गया। अमित शाह ने कहा कि यह भारत में किसी पुलिस बल को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है, जो उनकी विशिष्ट सेवाओं और उपलब्धियों के लिए प्रदान किया जाता है। उन्होंने इसके लिए सभी पुलिसवालों को बधाई दी। अमित शाह ने सियांग प्रोजेक्ट, आतंकवाद और नशा मुक्त भारत की भी बात की।



देश को नशामुक्त बनाने पर काम कर रहे हैं- हम देश को नशामुक्त बनाने पर काम कर रहे हैं। नशा मुक्त अरुणाचल के लिए एक हाई लेवल मीटिंग करने जा रहा हूं।

- **2027 के बाद न्याय के लिए नहीं करना होगा लंबा इंतजार, 3 तीन होगा निपटारा-** पीएम मोदी ने कहा कि जब संसद में विपक्ष पूछता है कि नॉर्थ ईस्ट के लिए पीएम मोदी ने क्या किया तो मुझे हंसी आती है। देश के लिए पीएम मोदी की सरकार ने जितना किया है, वह राज्य के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। अमित शाह ने कहा कि अंग्रेजों के बनाए कानून को हटाकर हमने भारत का कानून लागू किए है। नई न्याय संहिता ला रहे हैं। ऐसा सिस्टम बन रहा है किमें 2027 के बाद जो भी एफआईआर दर्ज होगी, उसका सुप्रीम कोर्ट तक फैसला महज तीन साल में आ जाएगा। लोगों को अब न्याय के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह बहुत बड़ी शुरुआत पीएम मोदी के नेतृत्व में होगी।

मुंबई-हैदराबाद समेत 3 शहरों के मेटा ऑफिस में तोड़फोड़-हंगामा, 4 पर एफआईआर

यूथ कांग्रेस बोली- भाजपा के कहने पर नेताओं के अकाउंट सस्पेंड किए

मुंबई/हैदराबाद/मुंबई (एजेंसी)। हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा के ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन और तोड़फोड़ के मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। मुंबई पुलिस ने शनिवार को यूथ कांग्रेस के चार नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। यूथ कांग्रेस ने विपक्षी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड किए जाने के खिलाफ तीन शहरों में मेटा ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन किया था।

हैदराबाद में प्रदर्शनकारी मेटा ऑफिस के अंदर घुस गए और वहां तोड़फोड़ की। मुंबई में प्रदर्शन के दौरान बिल्डिंग के शीशे पर 'आरएसएस का बेटा मेटा' लिखा गया। वहीं, गुरुग्राम में प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगा दिया। यूथ कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर मेटा ने 19 नवंबर को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड कर दिए थे। संगठन ने मेटा को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। उसका कहना है कि अगर इस दौरान विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के अकाउंट पर लगी पाबंदियां नहीं हटाई गईं तो देशभर में मेटा ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन किए जाएंगे।

निकाय कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर

मिलेगा बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता, सीएम ने दी प्रस्ताव को मंजूरी

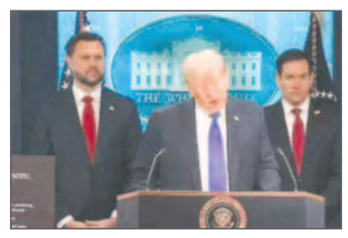


निकायों व सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों को भी बढ़ा महंगाई भत्ता दिया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। निकायों में छठे केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन एवं भत्ते ले रहे कर्मचारियों को महंगाई भत्ता एक जुलाई, 2026 से 262 प्रतिशत से बढ़ाकर 269 प्रतिशत प्रतिमाह दिया जाएगा।

इसके अलावा पांचवें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन एवं भत्ते प्राप्त कर रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता एक जुलाई, 2026 से 483 प्रतिशत से बढ़ाकर 497 प्रतिशत प्रतिमाह देने को मुख्यमंत्री ने मंजूरी दी। मुख्यमंत्री द्वारा 178 आरक्षी, पीएससी एवं आईआरबी कार्मिकों को राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में शामिल करने के प्रस्ताव को अनुमति दी।

मुख्यमंत्री ने नगर पालिका परिषद नरेंद्रनगर परिसर स्थित सामुदायिक भवन का नाम पूर्व पालिका अध्यक्ष स्व. सोबन सिंह नेगी के नाम पर अनुमोदन प्रदान किया। इसके अलावा ग्राम सराय स्थित भूमि ऋण करने से संबंधित संभावित अनियमितताओं के प्रकरण में तत्कालीन नगर आयुक्त, नगर निगम हरिद्वार वरुण चौधरी के निलंबन की अवधि 29 नवंबर से विस्तार करने की अनुमति दी।

ट्रम्प बोले-भारत में ब्याज दरें कम, इसलिए 7 प्रतिशत विकास दर



वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की 7 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ का उदाहरण देकर अपने देश के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि भारत में ब्याज दरें कम हैं, इसलिए उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अगर अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो वहां की ग्रोथ 15 से 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि जब भी अमेरिका के आर्थिक आंकड़े अच्छे आते हैं तो फेडरल रिजर्व ब्याज दरें बढ़ा देता है। जबकि ऐसे समय में दरें कम होनी चाहिए, ताकि कारोबार और निवेश को बढ़ावा मिले।

संपादकीय

अश्लीलता की लीला

इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया समाज में सहज-सरल संवाद व मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बना है। लेकिन इसमें संपादक नामक संस्था न होने के कारण यह माध्यम धीरे-धीरे अराजक सामग्री, हिंसक अभिव्यक्ति और अश्लीलता का प्रसारक व पोषक बनता जा रहा है। दरअसल, इन कंपनियों का प्रारूप कुछ इस तरह बनाया गया है कि सामाजिक मर्यादाओं का अतिक्रमण करने वाली और बच्चों के मन-मस्तिष्क पर बुरा असर डालने वाली सामग्री दर्शकों का ध्यान ज्यादा खींचती है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन-शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे। विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है। अब सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है। इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी?

वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निर्धारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है। न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिए जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्क सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी हुई है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों से खतरा बढ़ गया है। लेकिन भारत जैसे देशों में सोशल मीडिया के बच्चों के जीवन पर घातक प्रभावों के बावजूद नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है।

चिंतन-मनन

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया। बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।

विदेश की धरती से भारत की कमियां गिनाने के बजाय राहुल गांधी देश को बताएं समाधान का रास्ता



कांतिलाल मांडोत

केवल आरोपों से नहीं जीता जाता मतदाताओं का विश्वास कांग्रेस को भी राहुल के बयानों पर आत्ममंथन करना चाहिए...

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना, जनता की समस्याओं को सामने लाना और सत्ता को जवाबदेह बनाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन विपक्ष की राजनीति केवल आलोचना और आरोपों तक सीमित रह जाए तो जनता के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठने लगते हैं। देश को केवल यह बताने से काम नहीं चलेगा कि समस्याएं कितनी हैं, बल्कि यह भी बताना होगा कि उनका समाधान कैसे होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। वहां उन्होंने भारत में बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि देश के युवाओं को भविष्य की चिंता सता रही है और चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता को लेकर सवाल हैं। इन मुद्दों पर चर्चा होना जरूरी है, क्योंकि बेरोजगारी और चुनावी निष्पक्षता लोकतंत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या देश की समस्याओं को विदेश में गिनाने से उनका समाधान निकल आएगा? क्या राहुल गांधी के पास इन समस्याओं को दूर करने की कोई ठोस योजना भी है?

पिछले ग्यारह वर्षों में राहुल गांधी कई बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं। अलग-अलग अवसरों पर उन्होंने नोटबंदी, जीएसटी, बेरोजगारी, महंगाई, कश्मीर, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर अपनी बात रखी है। लोकतंत्र में किसी भी नेता को अपनी राय रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन जब कोई राष्ट्रीय स्तर का नेता विदेश में भारत की व्यवस्था पर लगातार सवाल उठाता है तो उससे यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह देश की उपलब्धियों और संभावनाओं को भी सामने रखे। भारत केवल समस्याओं से घिरा देश नहीं है। यहां विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान, सड़क, रेल और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। भारतीय युवा दुनिया के अनेक देशों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। इन उपलब्धियों को स्वीकार करना किसी सरकार का समर्थन करना नहीं, बल्कि देश की प्रगति को पहचानना है।

राहुल गांधी बेरोजगारी की बात करते हैं तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि कांग्रेस के पास इसका क्या समाधान है। युवाओं को रोजगार चाहिए, केवल भाषण नहीं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, कौशल विकास, उद्योगों का विस्तार और छोटे कारोबार को प्रोत्साहन देना समय की आवश्यकता है। सरकार से रोजगार के आंकड़ों और रिक्त पदों पर सवाल पूछना उचित है, लेकिन विपक्ष को भी अपनी रोजगार नीति जनता के सामने रखनी चाहिए। कांग्रेस यह बताए कि सत्ता में आने पर वह कितने रोजगार के अवसर पैदा करेगी और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए क्या कदम उठाएगी। केवल निराशा का वातावरण बताने से युवाओं का विश्वास नहीं जीता जा सकता।

इसी तरह राहुल गांधी ने मतदाता सूची और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए हैं। चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए और निर्वाचन आयोग को हर उचित सवाल का जवाब देना चाहिए। लेकिन किसी भी संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाने से पहले उसके समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करना भी जरूरी है। यदि कांग्रेस के पास मतदाता सूची में गड़बड़ी या चुनावी अनियमितता से जुड़े दस्तावेज हैं तो उन्हें निर्वाचन आयोग के सामने रखना चाहिए। जरूरत पड़ने पर न्यायालय का रास्ता अपनाना चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाने की स्वतंत्रता के साथ प्रमाण देने की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। बिना ठोस आधार के बार-बार संदेह जताने से मतदाताओं के मन में भ्रम पैदा हो सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की आलोचना करना राहुल गांधी के लिए नया नहीं है। राजनीतिक विरोध और वैचारिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया हैं। कांग्रेस की अपनी विचारधारा है और उसे उसे जनता के सामने रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन हर मुद्दे को मोदी, शाह या संघ के विरोध से जोड़ देने से जनता की मूल समस्याओं पर चर्चा कमजोर पड़ जाती है। देश की राजनीति व्यक्तियों के विरोध से आगे बढ़कर नीतियों और विकास के विकल्पों पर केंद्रित होनी चाहिए।

यहां एक बड़ा सवाल कांग्रेस नेतृत्व से भी है। राहुल गांधी के बयानों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता आखिर चुप क्यों रहते हैं? क्या कांग्रेस में कोई ऐसा मंच नहीं है जहां विदेश में दिए गए बयानों की समीक्षा हो सके? क्या पार्टी नेतृत्व यह नहीं देखता कि इस तरह के बयानों से आम मतदाता के बीच क्या संदेश जाता है? किसी भी राजनीतिक दल में नेतृत्व की बात महत्वपूर्ण होती है, लेकिन पार्टी की सामूहिक जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। कांग्रेस को अपने नेता के हर बयान का समर्थन करने के बजाय तथ्यों के आधार पर आत्ममंथन करना चाहिए। यदि किसी बयान से देश के भीतर या बाहर गलत संदेश जाता है तो उस पर स्पष्टता देना पार्टी का दायित्व है।

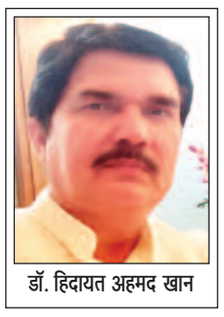
कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता का विश्वास दोबारा हासिल करने की है। 2014 से पहले भ्रष्टाचार के अनेक आरोप और विवाद तत्कालीन सरकार के सामने बड़ी चुनौती बन गए थे। जनता ने चुनाव में अपना निर्णय सुनाया और सत्ता परिवर्तन हुआ। इसके बाद भी कांग्रेस अपने संगठन और राजनीतिक कार्यशैली में अपेक्षित बदलाव नहीं कर पाई। केवल प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करने से पार्टी का खोया जनाधार वापस नहीं आने वाला। जनता को यह जानना है कि कांग्रेस के पास देश के विकास, रोजगार, शिक्षा, किसान, मजदूर और मध्यमवर्ग के लिए कौन सी नई योजनाएं हैं।

राजनीति में विरोध करना आसान है, लेकिन जनता के सामने भरोसेमंद विकल्प रखना कठिन जिम्मेदारी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि मतदाता अब केवल भाषण सुनकर निर्णय नहीं करता। वह काम, नेतृत्व, नीतियों और भविष्य की योजनाओं को भी देखता है। विदेश में जाकर भारत की कमियां गिनाने के बजाय उन्हें यह बताना चाहिए कि उन कमियों को दूर करने के लिए उनकी पार्टी क्या करेगी। सरकार को भी आलोचनाओं का जवाब तथ्यों और अपने काम के आधार पर देना चाहिए।

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी भूमिका है। देश की छवि किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। सरकार की गलतियों पर सवाल उठना चाहिए और विपक्ष की गलतियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लगातार आरोप लगाने से मतदाताओं का दिल नहीं जीता जा सकता। कांग्रेस को भी अपने नेतृत्व से यह सवाल पूछना चाहिए कि आखिर पार्टी देश को कौन सा रास्ता दिखाना चाहती है। जनता को आरोपों की राजनीति नहीं, समाधान की राजनीति चाहिए। अब समय आ गया है कि राहुल गांधी केवल समस्याओं की सूची पेश करने के बजाय उनका व्यावहारिक समाधान बताएं। लोकतंत्र में वही नेतृत्व लंबे समय तक जनता का विश्वास हासिल करता है, जो सवाल उठाने के साथ जवाब और विकल्प देने की क्षमता भी रखता हो।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार)

ट्रंप का भारतीय इकोनॉमी की तारीफ के मायने



डॉ. हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ करते हैं और भारत की करीब सात प्रतिशत विकास दर को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए उदाहरण बताते हैं, तो इसे केवल भारत के प्रति उनके बदले हुए नजरिये के रूप में देखना उचित नहीं होगा। उनकी इस टिप्पणी के पीछे अमेरिकी घरेलू राजनीति, आर्थिक नीतियों और फेडरल रिजर्व के साथ जारी टकराव की पृष्ठभूमि भी है। सवाल यह है कि जिस भारत पर उनके प्रशासन ने टैरिफ संबंधी दबाव बढ़ाया, जिसके नागरिकों के लिए वीजा नीतियां सख्त की गईं, उसी भारत की आर्थिक व्यवस्था अचानक उन्हें इतनी आकर्षक क्यों दिखाई देने लगी? ट्रंप की इस बात में दम है कि भारत में ब्याज दरें कम हैं और जीडीपी सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इसके मुकाबले उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की विकास-दर का जिक्र करते हुए दावा किया कि यदि अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो विकास दर 14, 15 या 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर राजनीतिक रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अच्छे आर्थिक आंकड़े आने के बावजूद केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाने की दिशा में काम करता है। ट्रंप का मानना है कि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सरकारी कर्ज चुकाने की क्षमता मजबूत करने के लिए ब्याज दरें कम होनी चाहिए। दरअसल, ट्रंप और फेडरल रिजर्व के बीच ब्याज दरों को लेकर मतभेद नया नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते हैं कि केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती करे, ताकि कारोबार, निवेश और उपभोग को प्रोत्साहन मिले। दूसरी ओर फेडरल रिजर्व का प्रमुख दायित्व महंगाई को नियंत्रित रखना और रोजगार के स्तर को संतुलित बनाए रखना है। यही वजह है कि वह केवल राष्ट्रपति की इच्छा के अनुरूप ब्याज दरों में बदलाव नहीं कर सकता। मौद्रिक नीति में केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता का उद्देश्य भी यही है कि आर्थिक फैसले राजनीतिक दबाव से प्रभावित न हों। ट्रंप की टिप्पणी के समय अमेरिका में महंगाई का दबाव भी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सितंबर में व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) आधारित महंगाई दर 3.6 प्रतिशत और कोर पीसीई महंगाई दर 3.1 प्रतिशत थी, जबकि फेड का दीर्घकालिक लक्ष्य दो प्रतिशत है। ऐसे में ब्याज दरों में जल्द और बड़ी कटौती महंगाई को फिर बढ़ाने का जोखिम पैदा कर सकती है। इसलिए ट्रंप का यह दावा कि कम ब्याज दरों से अमेरिकी विकास दर सीधे 15 या 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, एक राजनीतिक और आर्थिक अनुमान है, कोई स्थापित आर्थिक निष्कर्ष नहीं। ब्याज दरें विकास को प्रभावित करती हैं, लेकिन उत्पादकता, निवेश, रोजगार, मांग और वैश्विक परिस्थितियां भी इसमें निर्णायक भूमिका निभाती हैं। भारत की तारीफ को भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में भी समझना होगा। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों में टैरिफ को लेकर तनाव पैदा हुआ। अमेरिकी नीतियों का असर भारतीय निर्यातकों और कारोबारियों की योजनाओं पर पड़ा। वीजा नियमों में सख्ती ने भारतीय पेशेवरों और अमेरिका में काम करने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं के सामने भी अनिश्चितता बढ़ाई। इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ट्रंप की व्यक्तिगत निकटता और उनकी तारीफ के बयान लगातार चर्चा में रहे हैं। कुछ दिन पहले मोदी को टफ मैन कहना और अब भारतीय अर्थव्यवस्था को उदाहरण बनाना इसी सिलसिले का हिस्सा है। लेकिन कूटनीति में व्यक्तिगत प्रशंसा और नीतिगत सहयोग दो अलग-अलग बातें हैं। नेताओं के बीच मित्रता के सार्वजनिक प्रदर्शन से व्यापारिक बाधाएं अपने आप समाप्त नहीं होतीं। भारत के लिए महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिकी बाजार तक पहुंच, निर्यात पर शुल्क, तकनीकी सहयोग, निवेश और भारतीय पेशेवरों के वीजा जैसे मुद्दों पर ठोस प्रगति हो। इसी तरह अमेरिका के लिए भारत एक बड़ा बाजार, निवेश का अवसर और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में महत्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देशों के आर्थिक हित एक-दूसरे से जुड़े हैं, इसलिए आपसी मतभेदों का असर केवल सरकारों तक सीमित नहीं रहता। शेयर बाजारों में अनिश्चितता और सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी वैश्विक आर्थिक माहौल की संवेदनशीलता को रेखांकित करते हैं। हालांकि इन बदलावों का कारण केवल भारत-अमेरिका संबंधों को नहीं माना जा सकता। वैश्विक ब्याज दरें, भू-राजनीतिक तनाव, निवेशकों की धारणा और मुद्रा बाजार भी इन पर असर डालते हैं। इसलिए ट्रंप की भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ को उपलब्धि के प्रमाणपत्र से अधिक एक अवसर के रूप में देखना चाहिए। भारत की सात प्रतिशत विकास दर निश्चित रूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसकी स्थिति को रेखांकित करती है, लेकिन विकास की निरंतरता के लिए घरेलू निवेश, रोजगार, विनिर्माण और निर्यात को मजबूत करना जरूरी है। भारत को अमेरिकी प्रशंसा से अधिक अपने आर्थिक हितों पर ध्यान देना होगा। वहीं अमेरिका को भी यह समझना होगा कि भारत के साथ संबंध केवल टैरिफ लगाने या तारीफ करने से नहीं चल सकते। स्थिर व्यापारिक नीति, परस्पर भरोसा और स्पष्ट आर्थिक सहयोग ही दोनों देशों के रिश्तों को वास्तविक मजबूती दे सकते हैं।

भारत जापान की नई रणनीतिक धुरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा



ललित गर्ग

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है।

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है।

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री



नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है।

19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है।

प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है।

विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत-जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत-जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे 'इंडिया-जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्स' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए।

भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत 2047' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है-सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए, उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो, युवा नवाचार का नेतृत्व करें, किसान उत्पादकता बढ़ाएं, वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें और प्रत्येक नागरिक अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठता तथा ईमानदारी का उदाहरण बने। टोक्यो की 2+2 बैठक हमें भारत की रणनीतिक शक्ति का संदेश देती है और फिक्की का मंच भारत की आर्थिक शक्ति का। इन दोनों को यदि भारतीय प्रतिभा, उद्योग, संस्कृति और नागरिक कर्तव्य से जोड़ दिया जाए तो भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकती है।

आज भारत को विश्वगुरु बनाने की चर्चा केवल अतीत के गौरव की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्वगुरु भारत वह होगा जो सुरक्षित भी हो, समृद्ध भी। आत्मनिर्भर भी हो, विश्व से जुड़ा भी। तकनीकी रूप से अग्रणी भी हो और मानवीय मूल्यों में भी श्रेष्ठ हो। जापान के साथ बढ़ती साझेदारी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब प्रश्न यह नहीं है कि दुनिया भारत को कितना महत्व देती है, प्रश्न यह है कि भारत स्वयं को कितना सक्षम, विश्वसनीय और उत्कृष्ट बनाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का मूल संदेश है-भारत की प्रतिष्ठा केवल विदेश मंत्रालय या सरकार नहीं बनाएगी, भारत के 140 करोड़ नागरिक मिलकर बनाएंगे। उद्योगपति अपने निवेश से, वैज्ञानिक अपने अनुसंधान से, युवा अपनी प्रतिभा से, किसान अपनी उत्पादकता से और सामान्य नागरिक अपने आचरण से भारत को सशक्त करेगा। तभी 'विकसित भारत' आर्थिक लक्ष्य से आगे बढ़कर राष्ट्रीय चरित्र बनेगा और भारत की विश्वगुरु बनने की आकांक्षा वास्तविकता में बदल सकेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों के पीछे दौड़ा हाथी, हादसा टला


कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचा हाथी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यदि आप शाम के समय कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग से सफर करने की सोच रहे हैं तो जरा सावधान हो जाएं। दरअसल, इन दिनों हाईवे पर एक हाथी की धमक बनी हुई है। शाम ढलते ही यह हाथी हाईवे पर टहलने पहुंच जाता है। हल्का हार्न सुनते ही हाथी का पारा चढ़ जाता है और वह वाहनों के पीछे दौड़ने लगता है। शुक्रवार रात भी हाथी वाहनों के पीछे दौड़ पड़ा। वाहन चालकों ने जल संस्थान फिल्टर परिसर के भीतर वाहन खड़ा कर अपनी जान बचाई। कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का अधिकांश भाग लैंसडौन वन प्रभाग से सटा हुआ है। यही कारण है कि हाईवे पर लगातार हाथियों की धमक बनी रहती है। लेकिन, इन दिनों लालपुर से पांचवे मील के मध्य एक हाथी की चहलकदमी बढ़ गई है। पिछले एक सप्ताह से यह हाथी शाम ढहते ही हाईवे पर पहुंच जाता है। कुछ देर घूमने के बाद वह वापस जंगल की ओर चला जाता है। लेकिन, कई बार वाहन चालक हार्न बजाकर हाथी को चिढ़ा दते हैं, जिससे आक्रोशित होकर हाथी हाईवे के दोनों ओर खड़े वाहनों के पीछे दौड़ने लगता है। दो दिन पूर्व रात के समय हाथी वाहनों के पीछे दौड़ा था। हालांकि, कुछ देर दौड़ने के बाद वह वापस जंगल चला गया था। शुक्रवार रात हाथी काफी दूर तक वाहनों के पीछे दौड़ा। कई वाहन चालक तो अपने वाहनों को मौके पर ही खड़ा कर भाग गए। जबकि, कुछ ने अपने वाहनों को जल संस्थान के फिल्टर हाउस परिसर में डाल जान बचाई। करीब एक घंटे घूमने के बाद हाथी वापस जंगल की ओर गया।

यह बरते सावधानी

रात के अंधेरे में हाथी दिखाई नहीं देता। ऐसे में जरूरी है कि अपने वाहनों की गति को नियंत्रण में रखें। यदि मार्ग पर हाथी दिखता है तो हार्न बजा कर या पत्थर फेंककर उसे परेशान न करें। ऐसे में हाथी चिढ़ जाता है और वह हमला भी कर सकता है। हाथी के मार्ग पर आने की सूचना वन विभाग को दें। सेल्फी के चक्कर में हाथी के नजदीक जाने का प्रयास न करें।

बैकुंठ चतुर्दशी मेले की तैयारियां अंतिम चरण में

श्रीनगर गढ़वाल : 23 नवंबर से शुरू होने वाले बैकुंठ चतुर्दशी मेले को लेकर आवास विकास मैदान भक्तियाना में तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। मैदान में झूले, खेल-तमाशे और दुकानों के सजने का सिलसिला शुरू हो गया है। दूर-दराज से दुकानदार और झूला संचालक पहुंचने लगे हैं। इस बार मेले में मौत का कुआं, क्रॉस झूला, चंदोला, बड़ी नाव, ब्रेक डांस, ड्रैगन, चरखी और बच्चों की ट्रेन समेत कई आकर्षण देखने को मिलेंगे। झूला और खेल-तमाशों के संचालक लखनऊ, सहारनपुर और हरिद्वार से पहुंचे हैं। वहीं स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए स्टॉल सजने लगे हैं। विभिन्न दुकानदार भी अपनी दुकानें लगाने में जुटे हैं। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं। मैदान के अलग-अलग हिस्सों में दुकानों, स्टॉलों और मनोरंजन के साधनों को व्यवस्थित किया जा रहा है।

लोकगायिका मीना राणा के लोकगीतों पर झूमे दर्शक



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गगवाड़स्यूं घाटी के सिद्धपीठ श्रीदेवलेश्वर महादेव मंदिर बलोड़ी में आयोजित 11वें बैकुंठ चतुर्दशी मेले का शुभारंभ धार्मिक आस्था और लोक संस्कृति के संगम के साथ हुआ। पांच दिवसीय मेले के पहले दिन लोकगायिका मीना राणा की प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहीं। उनके लोकप्रिय गीतों पर दर्शक देर तक झूमते नजर आए। लोकगायिका मीना राणा ने ओ साहिबा सहित एक के बाद एक लोकगीतों की प्रस्तुति देकर सांस्कृतिक संध्या में समां बांध दिया। उनकी प्रस्तुतियों पर पंडाल तालियों से गूंज उठा और दर्शकों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। इससे पूर्व ग्राम सभा क्वाली से शिवध्वजा की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के लिए पारंपरिक यात्रा निकाली गई। डडुवादेवी ब्रह्मकुंड में शिवध्वजा को स्नान कराने के बाद कलशयात्रा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने भाग लिया। मेले का उद्घाटन मंदिर समिति के संरक्षक उत्तम सिंह, विशिष्ट अतिथि जसवंत थपलियाल और बलवंत पटवाल ने किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, केशर सिंह कठैत, जगतकिशोर बड़थ्वाल, नागेंद्र जुगराण और सुधीर बड़थ्वाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन उमाचरण बड़थ्वाल और नागेंद्र जुगराण ने किया।

अभिभावकों से 0 से 5 साल के बच्चों को खुराक पिलाने की अपील



पल्स पोलियो जागरूकता रैली निकालते हुए स्कूली बच्चें।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब कोटद्वार व बेस चिकित्सालय कोटद्वार के तत्वावधान में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए लकड़ी पड़ाव में पल्स पोलियो जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान अभिभावकों से 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने की अपील की गई।

गाड़ीघाट स्थित जे.पी इंटर कॉलेज में रैली का शुभारंभ रोटरी क्लब के पोलियो प्रभारी गोपाल बंसल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने पोलियो खुराक पिलाने की अपील की। रैली इन्द्रलोक बस्ती, मोविननगर, स्टेडियम कॉलोनी, लकड़ी पड़ाव, प्रजापति नगर, काशीरामपुर तल्ला होते हुए वापस जे.पी इंटर कॉलेज में समाप्त हुई। इस अवसर पर डी.पी. सिंह, विजय कुमार माहेश्वरी, सुभाष बहुगुणा, रश्मि नेगी, नीलम रानी, नाजरी बानू, धर्व थापा, नम्रता मंहगाई, राज तिवारी, के.सी कुकरेती, विवेक कुकरेती, चन्द्रमोहन सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

डंपर ने टेंपो ट्रैवलर को मारी टक्कर, हादसा टला

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैनिक होटल के पास शुक्रवार देर शाम सड़क हादसा होने से बच गया। तीनधारा की ओर से आ रहा एक डंपर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े एक खराब टेंपो ट्रैवलर को टक्कर मारते हुए करीब 10 मीटर नीचे खाई में जा गिरा। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नही हुई और डंपर चालक सुरक्षित बच गया।

थाना देवप्रयाग के एसएसआई अरुण त्यागी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने खाई में फंसे डंपर चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर सड़क पर पहुंचाया गया। चालक की पहचान पंकज गिरी पुत्र जसवंत गिरी निवासी आसिफाबाद समसपुर, थाना किला परिक्षितगढ, मेरठ के रूप में हुई है। पूछताछ में चालक पंकज गिरी ने बताया कि वह डंपर लेकर तीनधारा की तरफ से आ रहा था तभी सैनिक होटल के पास अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। इससे डंपर सड़क किनारे खड़े टेंपो ट्रैवलर से टकराकर नीचे खाई में जा गिरा। (एजेंसी)

छात्र-छात्राओं को को दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ



नशा मुक्ति की शपथ लेते हुए छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी।

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को नशा मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने और नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने, स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने तथा नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रौशनी असवाल ने किया। उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ, सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विकास प्रताप सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक आकाश शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए योग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं को नियमित योगाभ्यास, संतुलित दिनचर्या एवं सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उपस्थित छात्र-छात्राओं को विभिन्न योगाभ्यास भी करवाए। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को यह संदेश दिया गया कि नशा मुक्त समाज का निर्माण स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कोटद्वार में भारी वाहन चालकों के लिए रिफ्रेशर कोर्स शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भट्ट मोटर्स ड्राईविंग ट्रेनिंग स्कूल में रिफ्रेशन कोर्स (भारी वाहन) शुरू हो गया है। स्कूल में 16 नवंबर से प्रशिक्षण शुरू हो गया है। परिवहन आयुक्त कार्यालय के आदेश के अनुसार, संस्थान को 16 नवंबर 2026 से 15 नवंबर 2027 तक एक वर्ष के लिए अधिकृत किया गया है।

परिवहन विभाग ने भट्ट मोटर्स ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल को मध्यम एवं भारी वाहनों के लिए दो दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संचालित करने की अनुमति दी है। स्कूल संचालक मनीष भट्ट ने बताया कि भारी वाहन चालकों के लिए दो दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू कर दिया गया है। व्यावसायिक वाहन चालकों के लिए लाइसेंस नवीनीकरण से पहले यह कोर्स अनिवार्य है। इसमें वाहन संचालन, सड़क सुरक्षा और ईंधन दक्षता का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ईंधन दक्षता के तहत चालकों को स्पीड ब्रेकर और मोड़ वाले ट्रैक पर वाहन चलाने का अभ्यास कराया जाएगा। सरकारी विभागों में कार्यरत वाहन चालकों को विभागीय प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर निःशुल्क प्रशिक्षण मिलेगा। परिवहन विभाग ने निर्धारित शुल्क लेने और चालकों की बायोमीट्रिक उपस्थिति का रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए हैं।

मशरूम उत्पादन के साथ मूल्य संवर्धन पर ध्यान देना जरूरी : डॉ. रैवानी

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से मशरूम उत्पादन, खेती एवं मूल्य संवर्धन विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हो गया।

कार्यक्रम में 32 प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन की तकनीक और स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय और कृषि वन अनुसंधान केंद्र, देहरादून के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। इससे विद्यार्थियों को केंद्र में इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वाईपी रैवानी ने कहा कि मशरूम उत्पादन के साथ मूल्य संवर्धन पर ध्यान देना भी जरूरी है। कृषि वन अनुसंधान केंद्र के सचिव केशव शर्मा ने कहा कि मशरूम उत्पादन कम निवेश में शुरू किया जा सकने वाला उपयोगी उद्यम है। केंद्र के वरिष्ठ सलाहकार प्रकाश रतूड़ी ने कहा कि ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्थानीय जरूरतों के अनुरूप उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ओम प्रकाश गुसाईं ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को अपने क्षेत्रों में अपनाने का आह्वान किया। भर्ती एवं पदोन्नति के अधिष्ठाता मोहन सिंह पंवार ने विश्वविद्यालय में एक वर्षीय कृषि उद्यमिता पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है। प्रो. आरएस नेगी ने बताया कि कृषि वन अनुसंधान केंद्र के साथ हुआ यह विभाग का छठा एमओयू है। इससे विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के दौरान व्यावहारिक अनुभव और विशेषज्ञों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में केंद्र के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार चौरसिया आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

विद्यार्थी अपने लक्ष्य के प्रति सदैव समर्पित रहें : नगर आयुक्त

खेलों के उत्साह, अनुशासन और प्रतिभा का भव्य संगम बना वार्षिक एथलेटिक मीट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हैप्पी होम स्कूल कोटद्वार में वार्षिक एथलेटिक मीट 2026-27 का आयोजन अत्यंत उत्साह, उल्लास और खेल भावना के साथ भव्य रूप में संपन्न हुआ। खेलों के प्रति विद्यार्थियों की अभिरुचि, उनकी प्रतिभा, अनुशासन, आत्मविश्वास और सामूहिक सहभागिता ने इस आयोजन को यादगार बना दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पी. एल. शाह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपने लक्ष्य के प्रति सदैव समर्पित रहना चाहिए तथा उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोटद्वार नगर आयुक्त पी. एल. शाह, विशिष्ट अतिथि विद्यालय की निर्देशिका उषा सिंह, विशेष अतिथि विभा धूलिया द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में मुक्त कर शांति, उमंग, नई ऊर्जा और उज्ज्वल भविष्य का संदेश दिया गया। वहीं विद्यालय की प्रधानाचार्या शालिनी सिंह ने विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से सदैव दूर रहने तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण चारों सदनों वेलर, हार्मनी, विक्ट्री और होप हाउस का भव्य मार्च पास्ट रहा। चारों हाउस के विद्यार्थियों ने अनुशासन, एकजुटता, आत्मविश्वास और समर्पण का उत्कृष्ट परिचय देते



हुए आकर्षक कदमताल के साथ मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की सटीक कदमताल और जोशीले उद्घोष ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक समूह गान एवं आकर्षक समूह नृत्य ने समारोह में सांस्कृतिक रंग भर दिए। समारोह के समापन अवसर पर विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती उषा सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों को केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सशक्त ही नहीं बनाते, बल्कि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, आत्मविश्वास, धैर्य, नेतृत्व क्षमता जैसे महत्वपूर्ण जीवन-मूल्यों का विकास होता है। उन्होंने इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं समस्त विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

वार्षिक एथलेटिक मीट के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें दौड़ प्रतियोगिताएं, ऊंची कूद, लंबी कूद, भाला फेंक, गोला फेंक तथा रिले रेस प्रमुख रहीं। प्रत्येक प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास और खेल कौशल के साथ सहभागिता की। हार-जीत से परे विद्यार्थियों ने खेल भावना, परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। इस आयोजन को और भी विशेष एवं यादगार बनाने के लिए अभिभावकों के लिए भी विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। माताओं की 50 मीटर दौड़ तथा पिताओं की गोला फेंक प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इन प्रतियोगिताओं में अभिभावकों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

होप हाउस ने अपने नाम की मेमोरियल शील्ड

कड़े संघर्ष और रोमांचक प्रतिस्पर्धा के पश्चात हाउस चैंपियनशिप में होप हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते ग्लैडविन मेमोरियल शील्ड को अपने नाम किया। हार्मनी हाउस द्वितीय, वेलर हाउस तृतीय तथा विक्ट्री हाउस चतुर्थ स्थान पर रहा। सभी हाउस के विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा और टीम भावना से प्रतियोगिता को रोचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखा।

मोहित, प्रिंस रावत और अंबिका ने जीता बेस्ट एथलीट का खिताब

व्यक्तिगत उपलब्धियों की श्रेणी में सीनियर बालक वर्ग में मोहित और जूनियर वर्ग में प्रिंस रावत ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए ह्यबेस्ट एथलीटह्व का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। उन्हें लेट कुंवर राज सिंह मेमोरियल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। वहीं बालिका वर्ग में अंबिका बिष्ट ने ह्यबेस्ट एथलीटह्व का खिताब हासिल किया। ईशा ध्यानी और अदिति को बालिका वर्ग में उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने विद्यालय का गौरव बढ़ाया और अन्य छात्रों को प्रेरित करने का कार्य किया।

स्व. मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी की स्मृति में क्विज प्रतियोगिता



21 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्व. मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी की स्मृति में शनिवार को कोटद्वार के घमंडपुर स्थित विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण के आवास पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 21 विद्यालयों के दो-दो छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सामान्य ज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान और उत्तराखंड से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्व. मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी का जीवन अनुशासन, समर्पण और कर्तव्य निष्ठा की प्रेरणा देता है।

विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षा के साथ अच्छे संस्कारों को भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों और छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयों की आवश्यकताओं और विद्यार्थियों की पढ़ाई से जुड़े विषयों पर शिक्षकों की राय भी जानी। प्रतियोगिता के संयोजक तरुण ईष्टवाल ने बताया कि इसमें आदर्श विद्या निकेतन, बाल भारती पब्लिक स्कूल, बलूनी पब्लिक स्कूल, ब्लूमिंग वेल पब्लिक स्कूल, ब्राइट करियर चिल्ड्रन एकेडमी, क्रेडल पब्लिक स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल, जीजीआईसी घमंडपुर, हैप्पी होम, हेड हेरिटेज एकेडमी, जेपी इंटर कॉलेज, एमकेवीएन, मदरलैंड एकेडमी, नवयुग पब्लिक स्कूल, आरसीडी पब्लिक स्कूल, रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, आरपी पब्लिक स्कूल, स्कॉलर्स एकेडमी, श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, श्री सिद्धबली पब्लिक स्कूल और टीसीजी के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

छात्रावास की जमीन पर सीईओ कार्यालय बनाने का विरोध

उत्तरकाशी। पीएमश्री राजकीय आदर्श कीर्ति इंटर कॉलेज की छात्रावास के लिए आरक्षित भूमि पर मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय का निर्माण कराए जाने के विरोध में छात्रों ने कलेक्ट्रेट में सांकेतिक धरना दिया। छात्रों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और निर्माण कार्य रुकवाकर छात्रावास का पुनर्निर्माण कराने की मांग की। छात्रों ने कहा कि विद्यालय को आवंटित करीब छह नाली भूमि पर पहले से छात्रावास बना हुआ है लेकिन भवन जर्जर होने के कारण उसका उपयोग नही हो पा रहा है। छात्रावास का पुनर्निर्माण कराने के बजाय शिक्षा विभाग की ओर से इस भूमि पर मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय का निर्माण कराया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि विद्यालय में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ने आते हैं। छात्र-ावास की सुविधा नही होने के कारण उन्हें उत्तरकाशी में निजी कमरे किराये पर लेकर रहना पड़ता है।

मालवीय उद्यान में भैलो खेलकर मनाई बूढ़ी दिवाली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देवभूमि उत्तराखंड की लोक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और समृद्ध परंपराओं का प्रतीक लोकपर्व इगास (बूढ़ी दिवाली) मालवीय उद्यान में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोक संस्कृति की छटा बिखेरी।कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष पंडित डॉ. राजेंद्र अणथ्वाल, वरिष्ठ भाजपा नेता उमेश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, टीसीजी पब्लिक स्कूल, स्कॉलर एकेडमी, श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, बलूनी पब्लिक स्कूल, ज्ञान वृक्ष स्कूल, जय भारती पब्लिक स्कूल, जेपी इंटर कॉलेज, हैप्पी चिल्ड्रन एकेडमी, सिद्धबली पब्लिक स्कूल और आरसीडी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी गीतों पर सामूहिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। देर शाम अतिथियों और मौजूद लोगों ने दीप जलाए। इसके बाद पारंपरिक रूप से भैलो जलाकर इगास पर्व मनाया गया। इस मौके पर दायित्वधारी ऋषि कंडवाल, मुन्नालाल मिश्रा, विष्णु अग्रवाल, विकास दीप मित्तल, प्रमोद रावत, पार्षद अनिल रावत, पिंकी खंतवाल, सौरव नौडियाल, आरती खर्कवाल आदि मौजूद रहे। मंच संचालन भाजयुमो जिलाध्यक्ष शांता बमराड़ा ने किया।

कौशल के आधार पर रोजगार और स्वरोजगार अपनाएं

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) श्रीनगर में जिला स्तरीय दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इसमें पौड़ी जिले के विभिन्न राजकीय आईटीआई से वर्ष 2026 में विभिन्न ट्रेडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

समारोह में मेयर आरती भंडारी ने विभिन्न ट्रेडों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत व्यस्तता के कारण समारोह में शामिल नहीं हो सके। संस्थान के प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने प्रशिक्षार्थियों को सरकार की रोजगार परक योजनाओं की जानकारी देते हुए कौशल के आधार पर रोजगार और स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान प्रशिक्षार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर गोविंदा, गौरव उनियाल, अनुरोध पगोवाल, संजय रावत, ओमप्रकाश नौटियाल, गोविंद राम रतूड़ी, सुरेश कुमार, मेहताब पंवार और हरिकृष्ण डोभाल सहित संस्थान के कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थी मौजूद रहे। (एजेंसी)

देबाशीष बेरा सर्वोदय सेवक मान सिंह रावत स्मृति सम्मान से सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पश्चिम बंगाल सर्वोदय मंडल के प्रदेश सचिव, गांधीवादी, शांति दूत, शांति निकेतन कोलकाता से जुड़े देबाशीष बेरा को सर्वोदय सेवक मान सिंह रावत स्मृति सम्मान से सम्माननित किया गया। शनिवार को उत्तराखंड सर्वोदय मंडल एवं गढ़वाल सर्वोदय मंडल के संयुक्त तत्वावधान में सिमलचौड़ कोटद्वार में सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देबाशीष बेरा को यह सम्मान उत्तराखंड सर्वोदय मंडल के महासचिव डॉ. सुरेन्द्र लाल आर्य ह्यसर्वोदय भूषणह्ल, इतिहासकार मनवर लाल भारती, भारतीय दलित साहित्य अकादमी के मण्डलीय अध्यक्ष (गढ़वाल) प्रमोद कुमार चौधरी व अकादमी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट जीवन कुमार ह्यजौनीह्ल के हाथों प्रदान किया गया। सभा को संबोधित करते हुए देबाशीष बेरा ने कहा कि गांधी जी के रचनात्मक कार्य, कौमी एकता, अस्पृश्यता निवारण, शराबबंदी, खादी, ग्रामोद्योग, गांव की सफाई, राष्ट्रभाषा, आर्थिक एवं सामाजिक समानता, किसान, आदिवासी व कुष्ठ सेवा आज भी सर्वाधिक प्रासंगिक हैं। इस मौके पर अनुज कुमार चौधरी, रश्मि रावत, मीनाक्षी रावत, अजिता, सोहेब व दिव्या आदि मौजूद रहे।

सुलभ शौचालय में पानी की व्यवस्था तक नहीं

अगस्त्यमुनि। नगर पंचायत क्षेत्र बाजार में राष्ट्रीय राजमार्ग पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के सामने स्थित सुलभ शौचालय बदहाल बना है। लंबे समय से पानी की आपूर्ति नही होने के कारण शौचालय में गंदगी फैली है। स्थिति यह है कि यहां हाथ धोने तक के लिए पानी उपलब्ध नही है। ऐसे में यहां पहुंचने वाले लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।
स्थानीय प्रियंक रावत ने बताया कि शौचालय की स्थिति लंबे समय से खराब है। मंदाकिनी शरदोत्सव एवं कृषि औद्योगिक विकास मेले के दौरान भी व्यवस्थाओं में कोई सुधार नहीं हुआ। अगस्त्यमुनि जिले का प्रमुख केंद्र है। यहां खंड विकास कार्यालय, निर्वाचन कार्यालय समेत कई सरकारी कार्यालय हैं। हाईवे के समीप होने के कारण इस शौचालय का उपयोग राहगीर और व्यापारी भी करते हैं। व्यापार संघ अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह नेगी ने कहा कि शौचालय में पानी की व्यवस्था नही होने से व्यापारियों और राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

युवक की मौत के मामले में वाहन चालक दोषमुक्त

कर्णप्रयाग। सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/एसीजेएम न्यायालय के न्यायाधीश नदीम अहमद की अदालत ने दोपहिया वाहन और टैक्सी की टक्कर में युवक की मौत के मामले में टैक्सी चालक को दोषमुक्त कर दिया है।
अभियोजन के अनुसार 30 दिसंबर 2024 को शाम करीब 5:45 बजे सिमली से आगे गंगानगर मोड़ के पास टैक्सी ने स्कूटी को टक्कर मार दी थी। हादसे में स्कूटी चालक की मौत हो गई थी। पुलिस ने टैक्सी चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने सहित विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने नौ गवाह पेश किए लेकिन वाहन चालक की तेज गति और लापरवाही साबित नहीं कर पाया। कोई प्रत्यक्षदर्शी भी अदालत में पेश नहीं हुआ।

प्रशांत का राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयन

फाटा। राइंका के कक्षा 10वीं के प्रशांत सेमवाल ने अपनी वैज्ञानिक सोच और नवाचार से जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में उपलब्धि हासिल की है। प्रशांत के ट्रांसमिशन लाइन सेफ्टी मॉडल का चयन राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए हुआ है। उन्होंने अपने मॉडल से बिजली की ट्रांसमिशन लाइनों की सुरक्षा और उनमें आने वाली संभावित समस्याओं को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से प्रदर्शित किया। मॉडल से बिजली की लाइनों में होने वाली तकनीकी खामियों और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को समझना व उनके समाधान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जिला स्तर पर मॉडल को मिली सराहना के बाद अब वे राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में अपनी प्रतिभा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन करेंगे।

सैपियंस स्कूल ने सहोदय वॉलीबॉल टूर्नामेंट की चौंपियंस ट्रॉफी जीती



विकासनगर (अलना)। सैपियंस स्कूल विकासनगर की वॉलीबॉल टीम ने सहोदय इंटर–स्कूल वॉलीबॉल टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर ली। बाइट एंजेल स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में सैपियंस स्कूल के खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम के खिलाड़ियों ने दमदार सर्विस, सटीक स्मैश और मजबूत रक्षात्मक खेल से प्रतिद्वंद्वी टीमों को कड़ी चुनौती दी। फाइनल मुकाबले में भी खिलाड़ियों ने धैर्य, अनुशासन और बेहतरीन तालमेल का परिचय देते हुए जीत दर्ज की। टीम की इस उपलब्धि को खिलाड़ियों के समर्पण, दृढ़ संकल्प, मेहनत और कभी हार न मानने वाले जज्बे का परिणाम बताया गया। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में एकजुट होकर खेलते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधक रविकांत सपरा, निदेशिका रश्मि गोयल और प्रधानाचार्य नवीन तनेजा ने खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और मेहनत की भी सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी सुहेल पाशा, ब्राइट एंजेल्स स्कूल के निदेशक कर्नल कादिर हुसैन, प्रधानाचार्या राणा अलमास सहित विभिन्न शिक्षक, शिक्षाविद् और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बरात में गया था परिवार, रसोई में घुस गया गुलदार



चंबा (टिहरी)। कुत्ते का पीछा करते हुए एक गुलदार सौंदकोटी गांव में भीम सिंह नेगी के घर की रसोई में जा घुसा। संयोग से उस समय परिवार के सदस्य पास के घर में बरात में शामिल होने गए थे। गुलदार को रसोई में देखकर ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाई और दरवाजा बंद कर उसे अंदर ही कैद कर दिया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद रात 10:30 बजे गुलदार को ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित बाहर निकाला।
वन दरोगा अजयपाल सिंह पंवार ने बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे गुलदार कुत्ते का पीछा करते हुए भीम सिंह नेगी के घर की रसाई में घुस गया। इगास और शादी समारोह में पटाखों के शोर से गुलदार सहम गया और रसाई में ही फंसा रहा। इसकी भनक लगने पर भवन स्वामी भीम सिंह नेगी और अन्य ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए रसोई का दरवाजा बंद कर दिया। ग्राम प्रधान मंगल सिंह नेगी ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन दरोगा अजयपाल सिंह पंवार के नेतृत्व में टीम गांव पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। काफी मशक्कत के बाद रात 10:30 बजे गुलदार को ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में कैद किया। गुलदार को वन चेतना केंद्र में रखा गया है जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने, घरों के आसपास की झाड़ियां हटाने और पथ प्रकाश की उचित व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। रेस्क्यू टीम में आजाद पंवार, जयवीर लाल, विनोद सिंह, दीपक रजवार शामिल रहे।

774 छात्र–छात्राओं को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

उत्तरकाशी। गोस्वामी गणेश दत्त सरस्वती विद्या मंदिर में राज्य आपदा प्रबंधन दिवस पर आपदा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 774 छात्र–छात्राओं और विद्यालय कार्मिकों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर मस्तान भंडारी ने भूकंप से बचाव, खोज एवं बचाव उपकरणों के उपयोग, प्राथमिक उपचार, सीपीआर, आग से सुरक्षा और आपातकालीन हेल्पलाइन की जानकारी दी। साथ ही भूदेव एप के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्रधानाचार्य दिनेश रावत और लोक चेतना मंच के अनमोल बिष्ट मौजूद रहे।

शादी के बंधन में बंधे दो एसडीएम: कर्णप्रयाग के मां उमा देवी मंदिर में लिए सात फेरे



उत्तरकाशी। उत्तराखंड के कर्णप्रयाग स्थित प्रसिद्ध मां उमा देवी मंदिर में दो उपजिलाधिकारियों ने सादगी के साथ विवाह रचाया। कर्णप्रयाग के एसडीएम अलकेश नौडियाल और भिकियासैंण (अल्मोड़ा) की एसडीएम याक्षी अरोड़ा ने मंदिर के पावन प्रांगण में सात फेरे लेकर एक–दूसरे को जीवनसाथी चुना। इस विवाह की खास बात इसका सादगीपूर्ण आयोजन रहा। आधुनिक चकाचौंध और शाही इंतजामों से दूर दोनों अधिकारियों ने विवाह के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व वाले मां उमा देवी मंदिर को चुना। पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ संपन्न हुए इस विवाह ने देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक स्थलों की खूबसूरती को भी सामने रखा।

स्थान का है विशेष महत्व

दोनों प्रशासनिक अधिकारियों के इस फैसले की खूब सराहना हो रही है। प्रदेश में प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थल और पारंपरिक परिवेश पहले से ही विवाह समारोहों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं। ऐसे में मंदिर परिसर में सादगी से हुआ यह विवाह उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में पहचान दिलाने के संदेश को भी मजबूती देता है।
उनका यह विवाह इस बात की मिसाल बना कि शादी की खूबसूरती भव्यता से ज्यादा उसकी परंपरा, भावनाओं और अपनत्व में भी होती है। पुजारी नरेश पुजारी ने मंदिर की महत्ता बताते हुए कहा कि यह वही पौराणिक स्थल है, जहां मां भगवती उमा ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था और सप्त ऋषियों ने उन्हें आशीर्वाद दिया था। ऐसे दिव्य स्थान पर बंधे इस अटूट बंधन को सभी ने भावपूर्ण शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

रस्साकस्सी में रमन और रामानुजन सदन विजेता

कर्णप्रयाग। एसजीआरआर पब्लिक स्कूल कर्णप्रयाग में शनिवार को पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का समापन हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी अनिनाथ ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अंतिम दिन रस्साकस्सी प्रतियोगिता में बालक वर्ग में रमन सदन और बालिका वर्ग में रामानुजन सदन विजेता रहा। प्रतियोगिताओं में 81 छात्रों को स्वर्ण, 82 को रजत और 53 को कांस्य पदक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समग्र स्पर्धाओं में 1710 अंकों के साथ रमन सदन प्रथम, 1535 अंकों के साथ आर्यभट्ट सदन द्वितीय और 1470 अंकों के साथ भाभा सदन तृतीय रहा। वहीं कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में 95.60 फीसदी अंक हासिल करने वाले पीयूष पंत और 91.80 फीसदी अंक पाने वाले लक्ष्य गुसाईं को भी सम्मानित किया गया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भाभा सदन और संयुक्त टीम स्पर्धाओं में रमन सदन प्रथम रहा। इस दौरान प्रधानाचार्य बुद्धिबल्लभ डोभाल, समन्वयक सुमन कुमार सहित शिक्षक मौजूद रहे।

गैरसैंण कोतवाली में विजय प्रकाश ने संभाला पदभार

गैरसैंण। एसआई विजय प्रकाश ने कोतवाली का प्रभारी थानाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। यहां तैनात मनोज सिरोला का तबादले हो गया है। एसआई विजय प्रकाश ने पदभार संभालने के बाद सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया। अभियान के तहत दोपहिया वाहन चालकों और सवारियों के लिए हेलमेट अनिवार्य किया गया है। इसकी मुनादी ध्वनि विस्तारक यंत्र से पूरे गैरसैंण नगर में की गई। थानाध्यक्ष प्रकाश ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों से कोई नरमी नही बरती जाएगी। उन्होंने नगर में जाम की समस्या को देखते हुए यातायात सुचारु रखने का भी आश्वासन दिया।

भक्ति रस में सराबोर रहे श्रद्धालु

उत्तरकाशी। रामलीला मैदान में आयोजित पंचकुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण गो–गंगा प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर रहे। व्यास पीठ से आचार्य सूर्यकांत बलूनी ने भगवान के नाम स्मरण, शिव भक्ति, सती चरित्र और भक्त ध्रुव की अटूट तपस्या का प्रसंग सुनाया। उन्होंने सती चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि पिता दक्ष के यज्ञ में भगवान शिव का अपमान होने से आहत सती ने अपने प्राण त्याग दिए। इसके बाद भगवान शिव ने वीरभद्र को प्रकट कर दक्ष को दंडित किया। देवताओं की प्रार्थना पर भगवान शिव ने दक्ष को पुनर्जीवन प्रदान किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष स्वामी राघवानंद महाराज, कार्यकारी अध्यक्ष सूरतराम नौटियाल, बुद्धि प्रसाद नौटियाल, भूपेश कुड़ियाल, डॉ. हरिशंकर नौटियाल आदि मौजूद रहे। संवाद

खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

उत्तरकाशी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में वार्षिक खेलकूद दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सुवर्णा नौटियाल ने किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद से छात्र–छात्राओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना और अनुशासन बनाए रखने की शपथ ली। विद्यार्थियों ने मशाल दौड़ और डंबल पीटी की आकर्षक प्रस्तुति भी दी। प्रतियोगिताओं में बालवाटिका के बच्चों ने खरगोश दौड़, कक्षा पांच की छात्राओं ने जलेबी दौड़, कक्षा नौ के छात्राओं ने रिले दौड़ और कक्षा 11 के छात्राओं ने रस्साकशी में प्रतिभाग किया। वहीं, शिक्षकों के लिए भी दौड़ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस दौरान अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्या कविता बिजारनिया आदि मौजूद रहे।

स्कूल वैन में मिली खामी, परिवहन विभाग ने किया चालान

रुद्रप्रयाग। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर शनिवार को जनपद मुख्यालय के दो विद्यालयों के वाहनों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। मां गोविन्द गिरि सरस्वती इंटर कॉलेज, बेलणी की एक स्कूल वैन में सुरक्षा मानकों की कमी मिलने पर परिवहन विभाग ने चालान किया।
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सिविल जज पायल सिंह के नेतृत्व में परिवहन और यातायात पुलिस की टीम ने श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, तिलणी और मां गोविन्द गिरि सरस्वती इंटर कॉलेज, बेलणी के वाहनों की जांच की। इस दौरान प्राथमिक उपचार पेटी, अग्निशमन यंत्र, लाइट, सीसीटीवी कैमरे, आपातकालीन निकास और अन्य सुरक्षा उपकरणों की स्थिति देखी गई। वाहनों के दस्तावेज और तकनीकी स्थिति की भी जांच की गई। टीम ने विद्यालय प्रबंधन और वाहन संचालकों को कमियां दूर करने के निर्देश दिए। सचिव पायल सिंह ने कहा कि बच्चों की सुरक्षित यात्रा के लिए विद्यालय प्रबंधन, वाहन संचालकों और अभिभावकों को जिम्मेदारी निभानी होगी। वाहन चालकों को यातायात नियमों और निर्धारित गति सीमा का पालन करना चाहिए। निरीक्षण टीम में आरटीओ धर्मेंद्र सिंह बिष्ट और यातायात निरीक्षक कैलाश चंद्र शर्मा सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

चमोली: थराली में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन



चमोली:थराली के ब्लॉक सभागार में शनिवार को गढ़वाल मंडल कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश प्रभारी शैलजा कुमारी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सम्मेलन में शैलजा कुमारी ने कहा कि जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है और भाजपा सरकार की उलटी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बदलाव के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।
शैलजा कुमारी ने धामी सरकार पर खनन, भ्रष्टाचार और जमीनों से जुड़े मामलों को लेकर आरोप लगाए। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भूमि घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारी जमीनों को बेचने से जुड़े मामलों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने थराली के विकास का मुद्दा उठाते हुए ब्लॉक मुख्यालय तक जाने वाली सड़क की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए।

सरकार के खिलाफ लड़ाई में पार्टी की एकजुटता जरूरी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि सरकार के खिलाफ लड़ाई में पार्टी की एकजुटता जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भ्रष्टाचार के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाने और घर–घर जाकर लोगों को जागरूक करने को कहा।
बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने बदरीनाथ में चंदा चोरी और केदारनाथ में सोने से जुड़े मामले को लेकर सवाल उठाए। पूर्व विधायक डॉ. जीतराम ने महंगाई, बेरोजगारी, पलायन और स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाओं की कमी को लेकर सरकार पर निशाना साधा। सम्मेलन में पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मयाली बाजार में पेयजल पाइपलाइन बदलने की मांग

जखोली। चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव मयाली बाजार में पेयजल व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है। बाजार में वर्ष 2008–09 के दौरान सड़क किनारे खुली नालियों के ऊपर बिछाई गई पेयजल पाइपलाइन लंबे समय से क्षतिग्रस्त होने के कारण लोगों को दूषित पानी की आपूर्ति होने का खतरा बना हुआ है। करीब 16–17 वर्ष पुरानी पाइपलाइन पर लगातार वाहनों की आवाजाही और भार पड़ने से कई स्थानों पर पाइप क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने से नालियों का गंदा पानी पाइपों के भीतर रिसने की आशंका बनी रहती है। इससे बाजार क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। पेयजल उपभोक्ता ललित मोहन काला के बताया कि जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइपलाइन बिछाए जाने के दौरान पुरानी क्षतिग्रस्त लाइन को हटाकर नालियों से बाहर नई पाइपलाइन बिछाने का अनुरोध किया गया था लेकिन संबंधित ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों की ओर से इस दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया आज भी स्थानीय लोगों को पुरानी और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन से पेयजल आपूर्ति की समस्या झेलनी पड़ रही है।

एक शिक्षिका के भरोसे चल रही 25 बच्चों की पढ़ाई

चोपता। तल्ला नागपुर क्षेत्र के ग्राम तड़ाग के प्राथमिक विद्यालय में एक शिक्षिका के भरोसे 25 बच्चों की पढ़ाई चल रही है। पांच महीने से एक शिक्षिका के मेडिकल अवकाश पर होने के कारण विद्यालय में शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने विभाग से स्थानीय शिक्षक की स्थायी तैनाती की मांग की है।
प्राथमिक विद्यालय तड़ाग में कक्षा एक से पांच तक 25 बच्चे अध्ययनरत हैं। विद्यालय में दो स्थायी शिक्षिकाएं तैनात हैं लेकिन एक के अवकाश पर होने से दूसरी शिक्षिका पर सभी कक्षाओं की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों की शिकायत पर विभाग ने दूसरे विद्यालयों से शिक्षकों को भेजने की व्यवस्था की है लेकिन अलग–अलग शिक्षकों के आने से पठन–पाठन में समन्वय नहीं बन पा रहा है। ग्राम प्रधान अखिलेश सिंह नेगी ने कहा कि कामचलाऊ व्यवस्था से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने स्थानीय शिक्षक की स्थायी तैनाती की मांग करते हुए चेतावनी दी कि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण विभागीय कार्यालय में धरना देंगे।
वहीं मुख्य शिक्षाधिकारी अजय कुमार चौधरी ने बताया कि दूसरे विद्यालयों से शिक्षकों को भेजा जा रहा है। स्थायी शिक्षिका की तैनाती के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अवकाश पर चल रही शिक्षिका जनवरी तक स्थायी रूप से कार्य पर लौटेंगी।

मानदेय वृद्धि के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं धरने पर डटी

गोपेश्वर/नंदानगर। मानदेय वृद्धि सहित विभिन्न मांगों के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेविका एवं मिनी कर्मचारी संगठन का कलेक्ट्रेट परिसर और नंदानगर ब्लॉक परिसर में पांचवें दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा।
कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजकर मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की।
ज्ञापन में राज्य सरकार से मानदेय में प्रतिदिन 140 रुपये की वृद्धि करने, मानदेय में प्रतिदिन 150 रुपये की वृद्धि का प्रस्ताव केंद्र को भेजने, बिना किसी अर्हता के सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और इस संबंध में शासनादेश जारी करने की मांग उठाई गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर विजया रावत, सरला, सरिता, दीपा, मंजू, मनोरमा, माधुरी, नंदी, ममता, धनेश्वरी, सरस्वती, रुकमा, रचना, कविता और कांती देवी आदि मौजूद रहे।



डॉ. संजय कुमार मौर्य की पुस्तक विद्यार्थी जीवन में सद्गुण का विमोचन

चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और संस्कारों को जीवन में अपनाने पर दिया जोर

चकराता (अलना)। विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अच्छे संस्कारों और सकारात्मक व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिक्षाविद् डॉ. संजय कुमार मौर्य की पुस्तक ह्यविद्यार्थी जीवन में सद्गुण, चरित्र, संस्कार और सफलता की ओर एक प्रेरक यात्राह्ल का विमोचन किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज मेहूंवाला में आयोजित समारोह में माध्यमिक शिक्षा निदेशक विनोद प्रसाद सेमल्टी, मुख्य शिक्षा अधिकारी जगदीश प्रसाद काला और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान देहरादून की प्रवक्ता ऋचा जयाल ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया।
राजकीय इंटर कॉलेज क्वानू में शिक्षक के रूप में कार्यरत डॉ. संजय कुमार मौर्य को गवर्नर्स टीचर्स अवार्ड एवं शैलेश मटियानी राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी इस पुस्तक में विद्यार्थी जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल करते हुए चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, संस्कारों और व्यक्तित्व विकास पर विशेष प्रकाश डाला गया है।



पुस्तक के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन में सद्गुण अपनाने, अनुशासन बनाए रखने और सफलता के लिए सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रेरणा देने का प्रयास किया गया है।
इस अवसर पर जनपद विज्ञान समन्वयक सुधीर कांति, विभिन्न विकासखंडों के विज्ञान समन्वयक दलजीत सिंह, महावीर प्रसाद सेमवाल, पवन कुमार शर्मा, आशीष डबराल, पंकज बिजल्वाण एवं राजीव अग्रवाल, राजकीय इंटर कॉलेज मेहूंवाला के प्रधानाचार्य डीएस घरिया, राजकीय इंटर कॉलेज रानीपोखरी के प्रधानाचार्य खुशाल सिंह गुसाईं, राजकीय शिक्षक संघ देहरादून के अध्यक्ष सुभाष झल्डियाल और महामंत्री अर्जुन पंवार सहित अनेक शिक्षक एवं शिक्षाविद् मौजूद रहे।

चकराता में 28 नवंबर को आयोजित होगा जनजातीय युवा महोत्सव

चकराता (अलना)। जनजातीय लोकसंस्कृति, परंपराओं और स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से 28 नवंबर को जनजातीय युवा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम विकासखंड चकराता के ग्वासा पुल स्थित खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में सुबह 9रू30 बजे से शुरू होगा।
खंड विकास अधिकारी चकराता की ओर से जारी सूचना के अनुसार महोत्सव में लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वेशभूषा एवं आभूषण प्रदर्शन, पारंपरिक पाक कला तथा काष्ठ कला एवं हस्तशिल्प से जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें चकराता और कालसी विकासखंड के युवक एवं महिला मंगल दल, सांस्कृतिक दल तथा शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे।

फिलीपींस में टला बड़ा विमान हादसा, सुरक्षित लैंडिंग से बचे 146 लोग

मनीला ,एजेंसी। फिलीपींस में एयर न्यूगिनी के विमान ने दक्षिणी फिलीपींस के दावाओ शहर में आपातकालीन लैंडिंग की, जिससे एक बड़ा विमान हादसा टल गया। हांगकांग से पापुआ न्यू गिनी जा रहे इस विमान के इंजन में चिंगारी दिखने के बाद यह सुरक्षित लैंडिंग की गई, जिसमें सवार सभी 146 यात्री और चालक दल के सदस्य बाल-बाल बच गए। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएएपी) ने बताया कि यह बोइंग 767-383 ईआर विमान था। इसमें 137 यात्री और 9 चालक दल के सदस्य सवार थे, कुल 146 लोग सवार थे। पायलटों ने दाहिने इंजन में संभावित चिंगारी या आग का संकेत मिलने के बाद तुरंत सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर दावाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया। विमान अपने तय मार्ग से भटक गया था। लैंडिंग के बाद, सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को इमरजेंसी स्लाइड के ज़रिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी के प्रवक्ता एरिक अपोलोनियो ने पुष्टि की कि इस पूरी प्रक्रिया में कोई भी हताहत नहीं हुआ। यात्रियों को तुरंत हवाई अड्डे के टर्मिनल ले जाया गया और उनके लिए होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई। इमरजेंसी लैंडिंग के कारण दावाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से अन्य उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे दो घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालांकि, सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद मुख्य रनवे को फिर से खोल दिया गया। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने बताया कि विमान को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और इस घटना के विस्तृत कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

सांसद ने सदन में किया शादी के लिए प्रपोज़, तालियों से गूंजने लगी संसद

सिडनी,एजेंसी। संसद की कार्यवाही आमतौर पर गंभीर बहसों और नीतियों के लिए जानी जाती है, लेकिन 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स संसद में एक ऐसा अनोखा और फिल्मी नजारा देखने को मिला, जिसने सबको हैरान कर दिया। सिडनी के राइड इलाके से सांसद जॉर्डन लेन ने अपनी विदाई स्पीच के दौरान अपनी 10 साल पुरानी पार्टनर नताली हिसी को सबके सामने शादी के लिए प्रपोज़ कर दिया। इस अप्रत्याशित घटना ने न सिर्फ सदन का माहौल बदल दिया, बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बन गई। जॉर्डन लेन अपनी विदाई स्पीच यानी वैलेडिक्टरी एड्रेस दे रहे थे, जब उन्होंने अचानक पब्लिक गैलरी में बैठी अपनी पार्टनर नताली हिसी के सामने सगाई की अंगूठी निकाली और सबको चौंकाते हुए पूछा, क्या तुम मुझसे शादी करोगी? इस अचानक आए मोड़ ने न सिर्फ साथी सांसदों को हैरान कर दिया, बल्कि स्पीकर और पब्लिक गैलरी में बैठे लोग भी एक पल के लिए ठगे से रह गए। जॉर्डन लेन ने अपने भाषण के दौरान नताली के साथ अपने 10 साल से ज्यादा पुराने रिश्ते का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनका यह रिश्ता कई मुश्किलों और हालात के बीच परवान चढ़ा है और दस साल पहले दोनों का साथ आना एक तरह से संयोग था। उन्होंने नताली की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनके जीवन में हर अच्छी और सच्ची चीज की वजह हैं, और शब्दों में यह बयां कर पाना मुश्किल है कि नताली ने उनकी जिंदगी पर कितना गहरा असर डाला है। अपने भाषण के आखिर में, उन्होंने स्पीकर को संबोधित करते हुए कहा कि राइड के सदस्य के तौर पर उनका आखिरी सवाल उनके प्यार नताली के लिए है। इतना कहते ही उन्होंने सगाई की अंगूठी निकाली और सीधा शादी का प्रस्ताव रख दिया। जैसे ही जॉर्डन लेन ने यह सवाल पूछा, सदन का गंभीर माहौल पूरी तरह बदल गया और तालियों की आवाज से गूंज उठा। इसके बाद लेन नताली के पास पहुंचे और उनकी उंगली में अंगूठी पहनाई। नताली के हां कहने को लेकर कोई भ्रम न रहे, इसके लिए सांसद ने सदन को मजाकिया अंदाज में आधिकारिक तौर पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह संसद के आधिकारिक रिकॉर्ड यानी हैंसार्ड में यह दर्ज कराना चाहते हैं कि नताली ने हां कह दिया है।

थाईलैंड ने अमेरिका से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क खत्म करने किया समझौता

ट्रंप बोले-हर साल अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने की इच्छा भी जताई



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि थाईलैंड ने अमेरिका से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उनके मुताबिक बैंकॉक ने हर साल अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने की इच्छा भी जताई है। हालांकि ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस खरीद का आंकड़ा और बढ़ाने की कोशिश करेगा। एशिया की चार दिवसीय यात्रा से लौटने के बाद व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि थाईलैंड ने अमेरिकी उत्पादों पर सभी शुल्क खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि थाईलैंड ने गैर-शुल्क बाधाओं को भी हटा दिया है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये बाधाएं कौन-सी थीं और शुल्क में कटौती कब से लागू होगी।

मीडिया रिपोर्ट में ट्रंप के मुताबिक 2.6 अरब डॉलर का आंकड़ा थाईलैंड की ओर से हर साल अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने की शुरुआती इच्छा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआती आंकड़ा है। हम इससे ज्यादा की मांग करेंगे। थाईलैंड के साथ हुआ समझौता उन दो व्यापारिक समझौतों में शामिल है, जिनकी घोषणा ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा के दौरान की थी। दूसरा समझौता फिलीपींस के साथ एक रूपरेखा के तौर पर हुआ है। ट्रंप ने दोनों समझौतों को अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद बताया, हालांकि दोनों देशों से की गई उनकी मांगों में अंतर था।

ट्रंप ने बताया कि मनीला में उन्होंने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से एक जनवरी से देश की कृषि संबंधी सभी आयात जरूरतों को अमेरिकी किसानों से पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि फिलीपींस अब तक ब्राजील से बड़ी मात्रा में कृषि उत्पाद खरीदता रहा है। ट्रंप ने चीन के साथ संभावित टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में फिलीपींस को अमेरिकी मदद की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि फिलीपींस और मलेशिया अमेरिकी तकनीक तथा सेवाओं का इस्तेमाल अपने क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए करने पर सहमत हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि आसियान शिखर सम्मेलनों में अमेरिका की भागीदारी का सीधा आर्थिक महत्व है। इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिकी उत्पादों के लिए बड़े बाजार हैं और यहां होने वाली बिक्री से अमेरिका में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने संघर्ष में उनके हस्तक्षेप के लिए आभार जताया और बताया कि उनकी भूमिका के संबंध में नोबेल समिति को पत्र लिखा है।

रियाद पर दागी गईं मिसाइलें, हूती ने जवाबी कार्रवाई का किया दावा

रियाद,एजेंसी। यमन के हूती लड़ाकू समूह ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, इस उन्होंने सऊदी गठबंधन के विशेष अभियान का जवाब बताया। इस हमले के बाद रियाद में दो धमाके सुने गए, जिसके जवाब में सऊदी वायु रक्षा प्रणाली ने राजधानी की ओर दागी गई तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट किया। सऊदी ने इससे पहले अपने नागरिकों को संभावित हवाई हमले के प्रति सचेत रहने की सलाह दी थी। हूती समूह ने दावा किया है कि उसने रियाद सहित पूरे सऊदी अरब में कई ठिकानों को निशाना बनाया है। यह हमला गठबंधन द्वारा शुक्रवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदा और अन्य स्थानों पर किए गए हमलों के बाद हूती की जवाबी कार्रवाई की धमकी के अनुरूप था। हूती ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर होदेइदा पर हमला होता है, तब वह सऊदी शहर जेद्दा और लाल सागर के अन्य बंदरगाहों को निशाना बनाएगा। समूह ने एयरलाइंस को सऊदी हवाई क्षेत्र को असुरक्षित बताकर वहां उड़ान न भरने की सलाह भी दी थी, हालांकि मक्का और मदीना के पवित्र हवाई क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया। उन्होंने रियाद के वित्तीय जिले और अल-शुकाइक स्थित एक पावर स्टेशन को भी निशाना बनाने की धमकी दी थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने बताया कि उनके बलों ने होदेइदा बंदरगाह पर उन परिचालन क्षमताओं को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल हथियारों की तस्करी और बैलिस्टिक मिसाइलों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि यमन की सीमा के पास जिजान क्षेत्र के ऊपर दो और बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया, जिनका मलबा अल-शुकाइक में गिरा। हमलों के बाद दोनों पक्षों ने अलग-अलग दावे किए हैं। हूती का दावा है कि पिछले 24 घंटों में गठबंधन के हमलों में 41 लोग मारे गए हैं। वहीं, सऊदी समर्थित सशस्त्र बलों का कहना है कि दर्जनों हवाई हमलों और बमबारी में 193 हूती लड़ाके मारे गए या घायल हुए हैं। हूती ने अल-शुकाइक पावर स्टेशन और जिजान बंदरगाह पर सटीक और सीधे हमले कर भारी नुकसान पहुंचाने का भी दावा किया है। यह नवीनतम घटना महीनों से जारी संघर्ष में हिंसा की बढ़ती गति को दर्शाती है।

अमेरिकी नागरिकों पर साइबर हमले, एफबीआई प्रमुख ने दी कड़ी चेतावनी

वाशिंगटन,एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इवेंस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसतरह के अपराधियों को कानून का सामना करना पड़ेगा। एफबीआई प्रमुख पटेल ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई साइबर खतरों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर रही है और इसतरह के हमलावरों को ढूंढ निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी पोस्ट में एफबीआई प्रमुख पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का जिक्र किया। इस अभियान का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर अमेरिका की साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और व्यवसायों, सरकारी प्रणालियों तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा करना है। एफबीआई प्रमुख पटेल ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है और हम साइबर खतरों के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रहे हैं। हमारा संदेश साफ है- अगर आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाते हैं, तब न्याय आप तक जरूर पहुंचेगा। यह चेतावनी तब आई है जब अमेरिका में साइबर सुरक्षा और डिजिटल बुनियादी ढांचे की मजबूती को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। हाल ही में, जेपी मॉर्गन चेस से जुड़े थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर्स पर एक बड़ा साइबर हमला हुआ, जिससे लगभग 16,000 ग्राहकों की निजी जानकारी लीक होने की आशंका है। बैंक ने गुरुवार को बताया कि उनकी जांच से पता चला है कि हमलावरों ने बाहरी वेंडर्स के पास मौजूद मार्केटिंग डेटा तक पहुंच बना ली थी, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट अनुसार, एनओएन नामक एक रैनसमवेयर ग्रुप ने डेटा लीक की जिम्मेदारी ली है। खबरों के मुताबिक, इस घटना से वीजा और मास्टरकार्ड से जुड़े व्यावसायिक साझेदार भी प्रभावित हुए हैं, जिनकी ईमेल पते, फोन नंबर और खाता आईडी जैसी संवेदनशील जानकारी लीक हुई है। जेपी मॉर्गन चेस ने आश्वस्त किया है कि उनकी मुख्य सेवाओं में कोई रुकावट नहीं आई है और वे प्रभावित ग्राहकों से सीधे संपर्क करके उन्हें मुफ्त क्रेडिट मॉनिटरिंग सहित आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी बढ़कर दोगुनी से भी ज्यादा होगी

रिपोर्ट में खुलासा, अगले पांच दशकों में दुनिया में धार्मिक आबादी की तस्वीर बदलेगी

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया में धार्मिक विविधता बढ़ती जा रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगले पांच दशकों में दुनिया में धार्मिक आबादी की तस्वीर तेजी से बदलने वाली है। इस रिपोर्ट के मुताबिक साल 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी बढ़कर दोगुनी से भी ज्यादा हो सकती है, जो एक बड़ा जनसांख्यिकीय बदलाव होगा। रिपोर्ट के आंकड़ों पर गौर करें तो, साल 2020 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी करीब 30 लाख थी, जो देश की कुल जनसंख्या का करीब 0.9फीसदी हिस्सा थी, लेकिन भविष्य के अनुमान बेहद दिलचस्प हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की संख्या 74 लाख से 90 लाख के आसपास पहुंच जाएगी। इस बढ़ोतरी के साथ, अमेरिका में हिंदुओं की कुल आबादी 2फीसदी का आंकड़ा छू लेगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से इमिग्रेशन के कारण होने का अनुमान है। भारत और दक्षिण एशिया के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में हिंदू अमेरिका का रुख कर रहे हैं, जो टेक्नोलॉजी, उच्च शिक्षा, चिकित्सा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में अवसरों की तलाश में हैं। जानकारों के मुताबिक यही प्रवासन अमेरिका में अगले 50 सालों में धार्मिक विविधता को नया आकार देगा। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, मलेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में भी हिंदू जनसंख्या में फेरबदल देखने को मिलेगा। वैश्विक स्तर पर, हिंदू आबादी में होने वाली कुल वृद्धि का करीब 88फीसदी हिस्सा अकेले भारत में केंद्रित रहेगा। अनुमान है कि भारत में हिंदुओं की संख्या 2020 के 1.11 अरब से बढ़कर 2070 तक 1.29 अरब के पार जा सकती है। भारत और नेपाल दुनिया के ऐसे दो राष्ट्र बने रहेंगे जहां हिंदू समुदाय स्पष्ट बहुमत में होगा। हालांकि, जनसंख्या वृद्धि की अलग-अलग दरों के कारण भारत की कुल आबादी में हिंदुओं का अनुपात 79फीसदी से घटकर 76फीसदी के आसपास रह सकता है।

आने वाले पांच दशकों में, अमेरिका वैश्विक मानचित्र पर पांचवीं सबसे बड़ी हिंदू आबादी वाले देश के रूप में उभर सकता है। इस बदलाव से अमेरिका के अंदर धार्मिक समीकरणों पर भी असर पड़ेगा। वहां ईसाई और मुस्लिम समुदाय पहले और दूसरे सबसे बड़े धार्मिक समूह बने रहेंगे, जबकि हिंदू आबादी यहूदी समुदाय को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक वर्ग बन सकती है। जानकारों के मुताबिक यह स्थिति अमेरिकी समाज में बढ़ते बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती है और इस समुदाय की भूमिका वहां की अर्थव्यवस्था और नीति निर्माण में भी गहरी होगी, क्योंकि शिक्षा और आय के मामले में यह वर्ग पहले से ही अमेरिका के सबसे समृद्ध समुदायों में गिना जाता है।

निखिल गुप्ता ने अपनी गलतियों के लिए अदालत में मांगी माफी , पन्नू हत्या की साजिश मामले में मिली 19 साल 7 महीने की सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में भूमिका के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 19 साल 7 महीने जेल की सजा सुनाई है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी जिला जज विक्टर मारेरो ने शुक्रवार को करीब 80 मिनट की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। गुप्ता को कुल 235 महीने जेल में बिताने होंगे। अदालत में निखिल ने अपने किए पर पछतावा जताया और माफी भी मांगी। गौरतलब है कि 55 वर्षीय निखिल गुप्ता ने फरवरी 2026 में अपने खिलाफ लगाए गए तीन आरोपों में दोष स्वीकार किया था। इनमें सुपारी देकर हत्या कराने, हत्या की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश से जुड़े आरोप शामिल थे। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, मामला 2023 में न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की कथित योजना से जुड़ा है।

गुप्ता को चेक गणराज्य से किया गया था गिरफ्तार- अभियोजन पक्ष के मुताबिक, गुप्ता ने जिस व्यक्ति से अपराध के लिए संपर्क किया था, उसे वह साजिश में सहयोगी समझ रहा था, लेकिन वह अमेरिकी ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) का गोपनीय सूत्र था। जांच आगे बढ़ने पर अमेरिकी एजेंसियों के अंडरकवर अधिकारियों ने भी मामले में भूमिका निभाई और कथित साजिश से जुड़े सबूत जुटाए। गुप्ता को जून 2023 में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद जून 2024 में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया।

अमेरिका में 90 दिन के ब्लैकआउट की अफवाह, घरों में जमा हो रहा राशन-पानी

चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इन दिनों आम लोग पानी की बोतलें, डिब्बाबंद खाद्य सामग्री, चावल, प्रोपेन गैस और जनरेटर जैसी रोजमर्रा की चीजें भारी मात्रा में खरीदकर घरों में स्टोर कर रहे हैं। इस अचानक बढ़ी खरीदारी के पीछे कोई प्राकृतिक आपदा या तूफान की चेतावनी नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाह है। ऑनलाइन मंचों पर दावा किया जा रहा है कि पूरे देश में अगले 90 दिनों तक बिजली और अन्य आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बंद हो सकती हैं।

हालांकि यह दावा पूरी तरह निराधार है, लेकिन लोगों में डर इतना बढ़ गया है कि वॉलमार्ट, कॉस्टको और ट्रैक्टर सप्लाई जैसे प्रमुख रिटेल स्टोरों पर आपातकालीन वस्तुओं की बिक्री में भारी उछाल आया है। वॉलमार्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में प्रोपेन, बोतलबंद पानी और कैंपिंग से जुड़े सामान की मांग कई गुना बढ़ गई, जबकि कॉस्टको में चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी आई है।

इस घबराहट भरी खरीदारी की शुरुआत किसी एक घटना से नहीं हुई, बल्कि इसकी जड़ें सितंबर के अंत में जारी अमेरिकी रक्षा विभाग के निर्देश से जुड़ी हैं। सैन्य तैयारियों से संबंधित उस निर्देश को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़कर 90 दिनों के ब्लैकआउट की चेतावनी के रूप में दिखया गया है। इसके बाद टिकटॉक पर इसरतह के कई फर्जी वीडियो वायरल होने लगे, जिसमें कहा गया कि 17 नवंबर से पूरे अमेरिका की बिजली व्यवस्था ठप्प हो जाएगी। कुछ फर्जी वीडियो में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ऐसी घोषणा करते हुए दिखाया गया था। अमेरिकी आपदा प्रबंधन एजेंसी फेमा द्वारा 17 नवंबर को देशव्यापी इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम के लिए निर्धारित एक सामान्य परीक्षण को भी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने किसी बड़े संकट का संकेत बताकर अफवाहों से जोड़ दिया।

दूसरी ओर, अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि देशभर में 90 दिनों तक बिजली कटौती की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और इंटरनेट पर वायरल हो रहे ये सभी दावे पूरी तरह झूठे साबित हुए हैं। हालांकि, अफवाहों के इसी दौर में कुछ वास्तविक तकनीकी गड़बड़ियों जैसे माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं में रुकावट, हवाई यातायात की संचार प्रणाली में दिक्कत, बैंकिंग कामकाज प्रभावित होना और एप्पल के सॉफ्टवेयर अपडेट में समस्या ने लोगों के संदेह को और गहरा कर दिया। इसके अलावा, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और नॉर्वे जैसे देशों में चलाए जा रहे आपातकालीन जागरूकता अभियानों को भी सोशल मीडिया पर अमेरिका में होने वाले ब्लैकआउट के संकेत के तौर पर पेश किया गया, जिससे बेचैनी और बढ़ी। आरबीसी कैपिटल मार्केट्स का मानना है कि यदि भविष्य में कोई नया भू-राजनीतिक तनाव या साइबर हमला सामने आता है, तो लोगों की यह सावधानी घबराहट भरी अंधाधुंध खरीदारी में बदल सकती है।

अमेरिकी चिप युद्ध- पांच देशों पर प्रतिबंध, एआई उद्योग पर मंडराया संकट

वाशिंगटन ,एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच जारी चिप युद्ध अब एक नए और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका ने पांच देशों को एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसका उद्देश्य विदेशी डेटा सेंटरों के माध्यम से चीन को अमेरिकी तकनीक तक पहुंचने से रोकना है। इस कदम से वैश्विक एआई उद्योग में बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

इस नियामक दबाव और संभावित लेखांकन मुद्दों की जांच की खबरों के बीच, चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के शेयर 20 नवंबर को 11.5 प्रतिशत तक गिर गए। रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रतिबंधों से पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश बाधित हो सकता है और चीन की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की कोशिशों को बल मिल सकता है। यूएस ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) ने मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, सिंगापुर और ब्राजील को भेज जाने वाले एआई चिप्स के लिए निर्यात लाइसेंसिंग की आवश्यकताएं लागू की हैं। यह कार्रवाई मौजूदा निर्यात नियंत्रणों की खामियों को दूर करने के लिए की गई है, जिनके तहत चीनी कंपनियां विदेशी डेटा सेंटरों से अमेरिकी एआई चिप्स तक पहुंच बना रही थीं। अनुमान है कि प्रतिबंध लगने के बावजूद 2024 में लगभग 2.4 लाख एनवीडिया एआई चिप्स चीन भेज गए थे, जिसमें सिंगापुर की मेगास्पीड जैसी कंपनियां अलीबाबा को जीपीयू किराए पर दे रही थीं। ये रोक इसरतह के अप्रत्यक्ष एक्सेस को रोकने के लिए हैं।

सेमीकंडक्टर निर्यात और विदेशी कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर अमेरिका की बढ़ती निगरानी से एनवीडिया को भविष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कंपनी का एआई इकोसिस्टम में 61 बिलियन डालर का इक्विटी निवेश और 164.5 बिलियन डालर की लीज़ गारंटी है। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग में कमी से छोटे क्लाउड प्रदाता प्रभावित होगा, जो उन्नत चिप्स पर निर्भर हैं। इसका असर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी कोरवीव पर पहले ही दिख चुका है, जिसके शेयर मूल्य में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इस बीच, चीन अमेरिकी तकनीक पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए घरेलू सेमीकंडक्टर क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों में तेजी ला रहा है। हाईसिलिकॉन, कैम्ब्रिकॉन और लूंगसन जैसी कंपनियां चिप डिज़ाइन में, एसएमआईसी और हुआ होंग सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में, और नौरा व एएमईसी उपकरण आपूर्ति में सक्रिय हैं। अनुमान है कि 2025 तक चीन का सेमीकंडक्टर उपकरण बाजार 49 बिलियन डालर और सामग्री बाजार 16 बिलियन डालर का होगा, जो घरेलू आपूर्ति-श्रृंखला के विकास की क्षमता को दर्शाता है। यह तकनीकी होड़ एआई के भविष्य और वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है।

बांग्लादेश में फिर हिंसा, हसीना समर्थकों के 50 घर जलाए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रहीं। नराइल जिले में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के करीब 50 घरों और दुकानों में आग लगा दी गई। घटना कालिया उपजिला के बेंदर चार गांव में हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक हमले दोपहर से देर रात तक जारी रहे। हमलावरों ने कई घरों में तोडफ़ोड़ की और वहां रखा फर्नीचर, कीमती सामान और दूसरी चीजें लूट लीं। पूर्व पीएम शेख हसीना देश लौटने की बात कह चुकी हैं। इसके बाद से ही तनाव बढ़ गया है। बीते दिनों हुई हिंसा में पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के दो नेताओं की हत्या हुई थी। स्थानीय लोगों ने इन हमलों के लिए पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार बताया है। हालांकि, हमले में शामिल लोगों की पहचान नहीं हुई। पूर्व अवामी लीग सांसद बीएम कबीरुल हक मुक्ति बिस्वास का पुश्तैनी घर भी जला दिया गया है।

क्रीमिया ब्रिज पर हुए हमले का रुस ने लिया बदला, यूक्रेन पर दागे ड्रोन व मिसाइलें

हमले में आठ की मौत, कई पुल, बिजली-पानी सप्लाई और रेलवे को पहुंचा नुकसान

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया ब्रिज पर हुए हमले का बदला ले लिया। यूक्रेन पर रुस ने 400 से ज्यादा ड्रोन और 110 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने हमले में 27 बैलिस्टिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने इसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया। हमले में कई पुलों, बिजली-पानी की सप्लाई और रेलवे को नुकसान पहुंचा है।

बता दें इससे पहले गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने क्रीमिया ब्रिज पर हमले पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि रूस इस हमले का दर्दनाक जवाब देगा। यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने बताया कि हमले में मारे गए आठ लोगों में से 6 कीव के रहने वाले थे। बाकी 2 लोगों की मौत पश्चिमी शहर लवीव के एक रेलवे स्टेशन पर हुई। रातभर हुए हमलों में कीव में कई धमाके हुए। जान बचाने के लिए लोग मेट्रो स्टेशनों में छिप गए। रूस ने निप्रो नदी पर बने कीव के 3 पुलों को भी निशाना बनाया। सरकार ने लोगों से अपील की कि वे कार से काम पर जाने से बचें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने हमले की रणनीति ऐसी बनाई थी, जिससे ज्यादा से ज्यादा तबाही हो। उन्होंने कहा कि रूसी सेना ने क्लस्टर वारहेड वाली मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। इन मिसाइलों में एक बड़े बम से कई छोटे बम निकलते हैं, जो बड़े इलाके में तबाही मचा सकते हैं। जेलेंस्की के मुताबिक रूस ने मिसाइलें एक साथ दागने के बजाय कई समूहों में छोड़ीं। हर हमले के बीच 20 से 30 मिनट का अंतर रखा। इससे राहत और बचाव टीमों को काम करने में मुश्किल हुई। वे आग बुझाने, मलबा हटाने और बिजली-पानी जैसी जरूरी सेवाएं बहाल करने में जुटी थीं। उन्होंने कहा कि पुतिन ने यह हमला बेहद सोच-समझकर और दिखावे के तौर पर किया। जेलेंस्की ने चीन में हुई बैठकों को कमजोर बताया और कहा कि दुनिया की व्यवस्था को अपने हिसाब से बदलने की रूस



सैनिक का किरदार निभाने के लिए सलमान ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का पहला टीजर और पोस्टर जब से रिलीज़ हुआ है, तब से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री बढ़ती जा रही है। शुरुआती झलकियों ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया, जिसके बाद से ही दर्शक फिल्म से जुड़ी और चीजें देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जबरदस्त स्केल ने पहले से ही फैंस के बीच चर्चा शुरू कर दी है, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बिहाइंड द सींस डिटेल्स के बारे ने बात की और बताया है कि कैसे फिल्म की मेकिंग धैर्य और ईमानदारी को पेश करती है। इंटेंस एक्शन से लेकर ट्रेलर में अब तक नजर आए मुश्किल जगहों पर की गई शूटिंग, यह बताती है कि टीम ने किसी भी तरह के शॉर्टकट को अपनाने से इंकार किया है, और इस तरह से उन्होंने हर फ्रेम में जान डालने के लिए असली, सख़्त मौसम को इनडोर के आराम के सामने चुना है।

फिल्म के सबसे मुश्किल सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने कहा है , 'शुरुआत में हमने इस सीक्वेंस की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में करने का प्लान बनाया था, लेकिन सलमान सर से बात करने के बाद हमें समझ आ गया कि सेट पर शूट करने से वह असली एहसास नहीं आएगा। इसलिए हम बाहर गए और सितंबर एंड में इसकी शूटिंग की। उस समय पानी का तापमान लगभग जीरो डिग्री के आसपास रहा होगा। सलमान खान को अपने फिजिकली डिमांडिंग रोल्स में जीजान लगाने के लिए जाना जाता है, और ऐसे में मातृभूमि में वॉर रेस्ट इन पीस के लिए, उनके द्वारा लिया गया स्टूडियो से बाहर शूट करने का फैसला उनकी फिल्म के लिए कमिटमेंट को दर्शाता है। एक सैनिक का किरदार निभाने के लिए सुपरस्टार और उनके को-एक्टर्स कलाकारों ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया। वे भीगी हुई वर्दी में ही शॉट्स के बीच खाना खाते थे, ताकि पर्दे पर उनका संघर्ष और भावनाएं दर्शकों को बिल्कुल असली महसूस हों।



टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली आलिया को जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।' इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला। फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

कमर्शियल फिल्मों में भी आलिया ने किया काम

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है। हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।



रामायण में मैंने मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से जो कुछ भी दे सकता था, दिया

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए अपनी इच्छा पूरी करने से ज्यादा महाकाव्य की सेवा करने का मौका था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक अभिनेता के तौर पर आप ऐसा काम करें कि दर्शक उसे इस तरह से महसूस करें, कि वे आपको आकर बताएं। इससे बड़ा तोहफा और क्या ही हो सकता है। सच कहूं, तो ये सब लिखते हुए मुझे यकीन नहीं हो रहा है लेकिन मन में कृतज्ञता है। लक्ष्मण की खुद के लिए कोई इच्छा नहीं थी, वो श्री राम और मां सीता के एक कदम पीछे खड़े होकर खुश थे, जब भी उनकी जरूरत हो, कर्तव्य पालन के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने किरदार निभाने को लेकर बताया कि लक्ष्मण ने अभी तक जो किया, मैं बस वही सेवा और कर्तव्य की भावना रामायण में लाना चाहता था। उन्होंने लिखा, 'मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मैं, जो कुछ भी दे सकता था, मैंने दिया। सच में मैं चाहता था लेकिन आप सबने मुझे इससे कहीं ज्यादा दे दिया।' रवि दुबे ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'मुकेश भाई, आपके उस कॉल ने सच में मेरी जिंदगी बदल दी, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं। नमित मल्होत्रा सर, नितेश तिवारी सर, आप लोग बहुत ही खास इंसान हैं और मैं आपका कर्जदार हूं कि आपने मुझे दुनिया के सबसे बेहतरीन कलाकारों के साथ एक सेट पर रखा। एक ऐसा सेट जहां मैं सबसे जूनियर और सबसे कम अनुभवी था, फिर भी जिस दिन से मैं वहां गया, आपने मुझे उतना ही प्यार, सम्मान और अपने काम को करने के लिए उतनी ही जगह दी।'

अभिनेता ने वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि शुरुआत में वे काफी डरे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं डरा हुआ था कि कहीं मैंने इन शानदार लोगों को निराश तो नहीं कर दिया, जिन्होंने मुझ पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ भरोसा किया? कहीं मैंने बहुत कम तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने ज्यादा तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने लक्ष्मण के साथ, रामायण के साथ अन्याय तो नहीं कर दिया? और फिर आपका प्यार और साथ मिला। काश मैं आपमें से हर एक को बता पाता कि इसने मेरे लिए क्या किया है। इसमें बहुत खुशी है लेकिन इसमें एक बहुत ही कोमल सी राहत भी है। राम कथा की थोड़ी सी भी सेवा करके मेरा दिल भर गया है।

धनश्री वर्मा की साउथ सिनेमा में शुरुआत

तेलुगु फिल्म 'हे कन्नम्मा' में नजर आएंगी

धनश्री वर्मा अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डांसर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी धनश्री ने 'हे कन्नम्मा' फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत करने की घोषणा की है। इस फिल्म को 'दिल राजू प्रोडक्शंस' का सपोर्ट हासिल है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश मास्टर और कार्तिका मुरलीधरन भी नजर आएंगे। धनश्री वर्मा ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा शेयर की और इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जताया। इसे एक बेहद खास सफर बताते हुए, उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को बड़े पर्दे पर यह फिल्म देखते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए उन्होंने लिखा, 'और आखिरकार ऐसा हो ही रहा है! लीड एक्टर के तौर पर मेरी पहली फिल्म। तेलुगू फिल्म में मेरा डेब्यू। और शुरुआत भी कितनी शानदार है — दिल राजू प्रोडक्शंस के साथ।'

अभिनेत्री ने फिल्म का आधिकारिक टीजर भी शेयर किया, जिससे दर्शकों को उनके नए प्रोजेक्ट की एक झलक मिली। उन्होंने इसे एक नई शुरुआत बताया क्योंकि वह अपने पहले मुख्य किरदार के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। टीजर शेयर करते हुए, धनश्री ने इस सफर का हिस्सा बनने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। अपनी पोस्ट में धनश्री ने लिखा, 'एक बहुत ही खास नई शुरुआत की एक छोटी सी झलक! पेश है मेरी तेलुगु डेब्यू फिल्म हेकन्नम्मा का आधिकारिक टीजर। इसमें मुझे शानदार 'दिल राजू प्रोडक्शंस' के साथ एक मुख्य अभिनेत्री के तौर पर एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका मिला है। यह एक ऐसा सफर है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।'





'कॉफी विद करण' का 22 साल का सफर अब हो रहा है खत्म

फिनाले में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगे यश और रूही

करण जौहर का चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है. करीब 22 साल तक बॉलीवुड सितारों की जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से सामने लाने वाले इस शो का सीजन 9 आखिरी होने वाला है. ऐसे में करण जौहर अपने शो को यादगार अंदाज में विदाई देने की तैयारी कर रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो फिनाले एपिसोड में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान खास अंदाज में नजर आएंगे. इतना ही नहीं, करण के दोनों बच्चे यश और रूही भी पहली बार इस शो का हिस्सा बनेंगे.

फिनाले में शाहरुख खान की होगी खास एंट्री

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान फिनाले एपिसोड में करण जौहर के साथ कॉफी काउच पर दिखाई देंगे. हालांकि, वह पूरे एपिसोड में नहीं रहेंगे, बल्कि कुछ समय के लिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. शाहरुख के साथ इस खास एपिसोड में करण के जुड़वां बच्चे यश और रूही भी नजर आएंगे. यह दोनों का टेलीविजन डेब्यू होगा. इस एपिसोड को लेकर सबसे खास बात यह है कि शाहरुख खान ही साल 2004 में शुरू हुए 'कॉफी विद करण' के पहले मेहमान बने थे. अब शो के आखिरी सीजन में उनकी वापसी से इसकी शुरुआत और विदाई के बीच एक खूबसूरत कनेक्शन बन जाएगा.

बेटी सुहाना खान भी हो सकती हैं शामिल

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी इस बातचीत का हिस्सा बन सकती हैं. बताया जा रहा है कि इस एपिसोड की शूटिंग उस समय हुई, जब शाहरुख अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त थे. काम की व्यस्तता के चलते वह पूरे एपिसोड के लिए समय नहीं निकाल पाए और कुछ देर के लिए शो में शामिल हुए.

सीजन 9 में नजर आए ये सितारे

'कॉफी विद करण 9' के इस सीजन में अब तक कई बड़े बॉलीवुड सितारे अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े किस्से साझा कर चुके हैं. इनमें सलमान खान, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, सैफ अली खान, कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जैसे नाम शामिल हैं. वहीं, आने वाले एपिसोड्स के लिए सारा अली खान और इब्राहिम अली खान, समय रैना, दिलजीत दोसांझ और डिंपल कपाड़िया जैसे सितारों के नाम भी चर्चा में हैं. हालांकि, इनकी मौजूदगी को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.





मतदाता सूची में एक भी त्रुटि बर्दाश्त नहीं, डीएम ने अधिकारियों को दी चेतावनी

देहरादून (अलना)। जनपद में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने शनिवार को पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी रिटर्निंग अधिकारियों और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्रवार लक्ष्य निर्धारित कर मतदाता सूची का गहन सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बूथ लेवल अधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक मतदाता



का सावधानीपूर्वक सत्यापन कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाता सूची में दर्ज दोहरे नामों को नियमानुसार हटाया जाए तथा नाम, पिता के नाम और अन्य विवरणों में पाई जाने वाली त्रुटियों को तत्काल ठीक कराया जाए। इसके लिए संबंधित मतदाताओं से फार्म-8 प्राप्त कर संशोधन की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने जनपद में 100 वर्ष की आयु पूरी कर चुके 109 मतदाताओं और 50 ट्रांसजेंडर मतदाताओं का दोबारा सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए।

12 नवंबर को प्रकाशित हुई प्रारूप मतदाता सूची

बैठक में सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में 12 नवंबर 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा चुका है। इस सूची पर 11 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

12.28 लाख से अधिक मतदाता प्रारूप सूची में दर्ज

अधिकारियों के अनुसार 3 अक्टूबर 2026 से पहले जनपद में कुल 11,94,797 मतदाता पंजीकृत थे। पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान नए मतदाताओं के पंजीकरण के बाद 12 नवंबर को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में कुल 12,28,746 मतदाता दर्ज किए गए हैं। इनमें 6,32,396 पुरुष, 5,96,300 महिलाएं और 50 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

अवैध खनन पर खनन विभाग का शिकंजा, दो वाहन पकड़े



विकासनगर (अलना)। अवैध उपखनिज परिवहन के खिलाफ खनन विभाग ने भाऊवाला क्षेत्र में अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने अवैध रूप से उपखनिज का परिवहन करते हुए दो वाहनों को पकड़ा और उन पर कुल 1 लाख 26 हजार 400 रुपये का जुर्माना लगाया।

जिलाधिकारी देहरादून एवं जिला खान अधिकारी के निर्देश पर सहायक खनिज पर्यवेक्षक शिवा नेगी ने टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन कर उपखनिज का परिवहन करते पाए जाने पर एक डंपर का ई-चालान किया गया, जबकि एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर थाना सेलाकुई पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया। खनन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध खनन एवं उपखनिज परिवहन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं, वाहनों में लदे उपखनिज के स्रोत और उसके गंतव्य को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। मामले की विस्तृत जांच से अवैध परिवहन के नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

हरिद्वार (अलना)। उत्तराखंड में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शनिवार से हरिद्वार के प्रेमनगर आश्रम में पार्टी की दो दिवसीय विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक शुरू हो गई। 21 और 22 नवंबर को आयोजित इस बैठक में संगठन के करीब 900 पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। बैठक में संगठन की मजबूती से लेकर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति तक कई महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया जा रहा है।

बैठक में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा के प्रदेश प्रभारी राम माधव, सह प्रभारी अरविंद मेनन और बांसुरी स्वराज, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) फणींद्रनाथ शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्रस्तावित है।

पहले दिन संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा

बैठक के पहले दिन शनिवार को विभिन्न प्रकोष्ठों, विभागों और संगठनात्मक इकाइयों से जुड़े पदाधिकारियों की बैठकें आयोजित की गईं। इनमें संगठन की अब तक की गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान के अनुसार, पहले दिन विभिन्न प्रकोष्ठों और विभागों की संयुक्त कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें संगठन की भावी गतिविधियों पर विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में दिसंबर माह के प्रस्तावित संगठनात्मक कार्यक्रमों, विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों की जिम्मेदारियों तथा जनसंपर्क अभियानों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

दूसरे दिन तैयार होगा चुनावी रोडमैप

रविवार 22 नवंबर को बैठक का दूसरा चरण आयोजित होगा। इसमें प्रदेश संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पार्टी के विधायक, मंत्री, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। दूसरे दिन पहले चरण में हुई चर्चाओं और प्रस्तावों पर विचार करते हुए आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके साथ ही वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी की रणनीति, बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता, जनसंपर्क और चुनावी तैयारियों पर विस्तार से मंथन होगा।

गंगा में मशीन धोने का वीडियो हुआ वायरल

ऋषिकेश त्रिवेणी घाट के नाव घाट पर कार्यदायी संस्था की ओर से चल रहे सौंदर्यीकरण व निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाली मशीनों को गंगा में धोने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में सीमेंट मिक्सर मशीन का सीमेंट बहाने से जुड़ा वीडियो सामने आने के बाद पर्यावरण नियमों के पालन और धार्मिक आस्था को लेकर हिमाद्रि फाउंडेशन ने अपना विरोध जताया है। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रतीक वर्मा ने विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर गंगा की पवित्रता को बरकरार रखने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि गंगा को दूषित किया गया तो फाउंडेशन उच्च अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराएगी। जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी किया जाएगा।

माया देवी विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाई गई इगास बग्वाल

भैलो, ढोल-दमाऊं और लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

सेलाकुई (अलना)। उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से माया देवी विश्वविद्यालय में लोकपर्व इगास बग्वाल हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर पारंपरिक रंगों और सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भैलो खेलकर तथा ढोल-दमाऊं की थाप पर लोकनृत्य प्रस्तुत कर उत्तराखंड की लोकसंस्कृति की सुंदर झलक पेश की। लोकगीतों और पारंपरिक पकवानों ने आयोजन की रौनक बढ़ाई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इगास पर्व के महत्व और इससे जुड़ी लोकपरंपराओं को जाना। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माया देवी एजुकेशन फाउंडेशन की चेयरपर्सन प्रभा जुयाल ने कहा कि इगास बग्वाल उत्तराखंड की आस्था, संस्कृति और परंपराओं का महत्वपूर्ण प्रतीक है। लोकसंस्कृति ही हमारी



पहचान है और इसे संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट एमएल जुयाल ने कहा कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत प्रदेश का गौरव है। इगास जैसे पर्व नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने और परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। वाइस प्रेसिडेंट प्रो. (डॉ.) तृप्ति जुयाल सेमवाल ने कहा कि इगास बग्वाल लोकआस्था, सामूहिकता और पारंपरिक जीवनशैली का प्रतीक है। इस अवसर पर वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) आशीष सेमवाल, रजिस्ट्रार अंबिका जुयाल, डीन एकेडमिक्स प्रो. डॉ. आरबी सिंह, बीएड प्राचार्य डॉ. सीता जुयाल सहित विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, डीन, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

आप छोड़कर रणजीत सिंह कांग्रेस में शामिल



देहरादून (अलना)। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कैंट विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में प्रेमनगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से शनिवार को कार्यकारिणी के विस्तार एवं पुनर्गठन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र तनेजा ने की।इस अवसर पर आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए रणजीत सिंह का पार्टी में स्वागत किया गया। उन्हें प्रेमनगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए महेंद्र और मनीष चावला को महासचिव, मोहन को संगठन सचिव तथा तक्ष, जीवन राम, राकेश गंभीर, प्रताप तलवार और महेश खन्ना को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।कार्यक्रम में महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा और नेतृत्व के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता एकजुट होकर जनता के बीच जाएंगे और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करेंगे। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में देहरादून कैंट क्षेत्र में सत्ता परिवर्तन होकर रहेगा।उन्होंने कहा कि नए लोगों के पार्टी से जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी और कांग्रेस आगामी चुनाव में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी। इस अवसर पर प्रेमनगर ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र तनेजा, पूर्व प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस सुमित खन्ना, प्रेमनगर अध्यक्ष मोहित ग्रोवर, वीरेश शर्मा, कुलदीप नरूला, राहुल तलवार, रविंद्र रैना और सुनील सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शत्रुघ्न घाट पर गंगा किनारे अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई

ऋषिकेश। तीर्थनगरी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार शत्रुघ्न घाट पर गंगा के बिल्कुल करीब तक फैले रेहड़ी पटरी और अस्थायी अतिक्रमण पर अब प्रशासन सख्ती बरतने की तैयारी में है। घाट की सुंदरता, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए नगर पालिका परिषद मुनि की रेती और स्थानीय प्रशासन जल्द ही संयुक्त अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने जा रहा है।

धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माने जाने वाले शत्रुघ्न घाट पर इन दिनों नियमों को ताक पर रखकर गंगा तट के बिल्कुल किनारे तक अस्थायी दुकानें और फड़ सजाए जा रहे हैं। इससे न केवल घाट का स्वरूप बिगड़ रहा है बल्कि सुबह, शाम गंगा आरती और स्नान के लिए पहुंचने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कई बार घाट पर पैर रखने तक की जगह नहीं बचती जिससे भीड़ बढ़ने पर दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। इसके अलावा गंगा के बेहद करीब व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने से नदी की स्वच्छता और निर्मलता पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। अधिशासी अधिकारी बद्री प्रसाद भट्ट ने बताया कि पूर्व में कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद स्थिति में सुधार न होने पर अब ठोस कार्रवाई कार्रवाई की जाएगी। आगामी दिनों में प्रशासन और नगर पालिका की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर घाट किनारे से अवैध फड़ ठेले हटाने और सामान जब्त करने की कार्रवाई करेगी।

130 लाभार्थियों को ब्याजमुक्त ऋण के चेक वितरित

सहसपुर (अलना)। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को ग्राम झाझरा स्थित एमपैक्स परिसर में किसान ऋण मेले का आयोजन किया गया। सहकारिता विभाग एवं विकासखंड सहसपुर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

इस दौरान विधायक ने 130 लाभार्थियों को ब्याजमुक्त ऋण के चेक वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। ब्याजमुक्त ऋण की सुविधा किसानों के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों के लिए भी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहायक साबित होगी।

विधायक ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ग्रामीण परिवारों की



आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अवसर पर विकासखंड प्रमुख अर्चना रावत, ज्येष्ठ प्रमुख रामेश्वरी पुंडीर, डीसीबी उपाध्यक्ष भीम सिंह पुंडीर, डीसीबी निदेशक वीरेश थपलियाल, एमपैक्स झाझरा के अध्यक्ष सावन पुंडीर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

मेधावी विद्यार्थियों की माताओं को कमला नेहरू पुरस्कार से किया सम्मानित



विकासनगर (अलना)। मेधावी विद्यार्थियों की सफलता में माताओं के योगदान और उनके प्रोत्साहन को सम्मान देने के उद्देश्य से सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बाबूगढ़ में स्वर्गीय कमला नेहरू पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रार्थना सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की माताओं को एक-एक हजार रुपये की पुरस्कार राशि के चेक वितरित किए गए। इस दौरान कुल 33 छात्र-छात्राओं की माताओं को सम्मानित किया गया।विद्यालय के प्रधानाचार्य कलीराम भट्ट और कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने लाभार्थी माताओं को चेक प्रदान किए। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों और विद्यार्थियों ने भी इस पहल की सराहना की।इस अवसर पर विद्यालय के बोर्ड परीक्षा प्रभारी गुलजार सिंह, सुभाष चमोली, अक्षय कुमार, विमलेश त्यागी और वीनू राघव सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मोहन भागवत बोले-संघ और गायत्री परिवार का कार्य ईश्वरीय



देहरादून। अखिल विश्व गायत्री परिवार की माता भगवती देवी शर्मा एवं अखंड दीप शताब्दी वर्ष समारोह में पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ और गायत्री परिवार का कार्य ईश्वरीय कार्य है। उन्होंने कहा कि भारत के पास चिंता के सभी उपाय हैं लेकिन विश्व को भारत नहीं चाहिए। क्योंकि वह भारत के बड़ा होने से डरता है। मगर विश्व को भारत एक दिन चाहना ही होगा।आरएसएस के संर संघचालक ने कहा कि सभी को सावधान रहना है। ईश्वरीय कार्य के लिए लगे रहना है। अगर हम एक कदम चलेंगे तो भगवान हमें 10 कदम बढ़ाएंगे जिस प्रकार से गायत्री परिवार शताब्दी समारोह मना रहा है उसी प्रकार संघ के भी 101 वर्ष पूरे हो गए हैं। लेकिन, यह बहुत मुश्किल होता है। किसी संगठन के आयाम को कायम रखते हुए 100 वर्ष पूर्ण करना और भी कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा विश्व में सनातन का उत्थान होगा इसकी चिंता और चिंतित होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि, 20 साल पहले हम क्या देखते थे और अब क्या देखते हैं। बस परिस्थितियों को देखकर डरना नहीं है। वर्तमान विश्व अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि हनुमानजी पूरी दुनिया के सेवाभावी कार्यकर्ताओं के आदर्श हैं जिस प्रकार उन्होंने स्वयं को रामकार्य में समर्पित किया उसी प्रकार प्रत्येक कार्यकर्ता को सनातन संस्कृति और समाज निर्माण के कार्य को समर्पण के साथ आगे बढ़ाना चाहिए।

पीआरडी जवानों की मांगों के समर्थन में उतरे कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह



देहरादून(अलना)। प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों की 365 दिन रोजगार उपलब्ध कराने सहित विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। शनिवार को कांग्रेस विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रीतम सिंह देहरादून स्थित पीआरडी निदेशालय पहुंचे और आंदोलनरत जवानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान प्रीतम सिंह ने जवानों की मांगों को जायज बताते हुए कहा कि पीआरडी जवान लंबे समय से अपने अधिकारों और नियमित रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था से लेकर विभिन्न सरकारी कार्यों तक में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें रोजगार और अन्य सुविधाओं के लिए लगातार आवाज उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि जब वह प्रदेश सरकार में मंत्री थे, तब उनके कार्यकाल में पीआरडी जवानों के प्रशिक्षण और उनके हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए थे। कांग्रेस हमेशा से जवानों के हितों के प्रति संवेदनशील रही है।

उत्तराखंड की सभी 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी

देहरादून (अलना)। उत्तराखंड में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने प्रदेश की सभी 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष उमा गौड़ सिसोदिया ने प्रेस वार्ता में कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के दौरान उत्तराखंड के राजनीतिक हालात, प्रदेश संगठन की स्थिति और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में प्रदेश में पार्टी की चुनावी तैयारियों और संगठन के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया गया।

जल्द घोषित होंगे विधानसभा प्रत्याशी



उमा गौड़ सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी जल्द ही विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। उम्मीदवारों के चयन में संगठन की मजबूती, जनसेवा के प्रति समर्पण और संबंधित क्षेत्र में उनकी सक्रियता को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को अभी से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और जनता के बीच पहुंचने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सभी विधानसभा क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जाएगी, ताकि चुनाव के समय पार्टी मजबूत स्थिति में रहे।

भगवंत मान और आतिशी समेत कई बड़े नेता करेंगे प्रचार

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, सांसद संजय सिंह, जरनैल सिंह और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता उत्तराखंड में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी प्रदेश की सभी सीटों पर मजबूत उम्मीदवार उतारकर जनता के बीच अपने मुद्दों को लेकर जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बदलाव की संभावनाओं को देखते हुए पार्टी संगठन को विस्तार देने में जुटी है। पत्रकार वार्ता में डीएस कौटिल्य, हिमांशु पुंडीर और श्याम बाबू पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

भारत की विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी बनेगी पाकिस्तान के लिए खतरा

एशिया कप राइजिंग स्टार्स.... भारत-ए बनाम पाकिस्तान-ए मुकाबला आज

दोहा, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला हमेशा रोमांच से भरपूर रहता है। अब एक बार फिर दोनों देशों की टीमें 22 नवंबर को दोहा में आमने-सामने होंगी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के इस मुकाबले में भारत-ए और पाकिस्तान-ए (पाकिस्तान शाहींस) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। हालांकि, टीम इंडिया अपनी मजबूत बल्लेबाजी और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के दम पर मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही है।भारत-ए के पास अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। दोनों शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल और अली रजा पर नई गेंद से विकेट निकालने की जिम्मेदारी होगी।कप्तान तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, आयुष बदोनी और कुमार कुशाग्र भारतीय मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। तिलक और कुशाग्र नेपाल के खिलाफ शतक लगाकर अपनी फॉर्म साबित कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान को अब्दुल समद, हसन नवाज और हैदर अली से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।दोहा की धीमी पिच पर स्पिन गेंदबाज अहम साबित हो सकते हैं। पाकिस्तान के सुफियान मुकिम और साद मसूद भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारत के पास भी शाहबाज अहमद, तनुष कोटियन और विप्रज निगम जैसे विकल्प हैं।



तेज गेंदबाजी में कड़ा मुकाबला

भारत के हर्षित राणा और प्रिंस यादव शानदार फॉर्म में हैं। नेपाल के खिलाफ दोनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वहीं, पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी में हसनैन और अली रजा की भूमिका अहम होगी। भारत-पाकिस्तान मुकाबले में मानसिक मजबूती भी निर्णायक होगी। तिलक, रिंकू और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों के पास बड़े मैचों का अनुभव है। हालांकि, पाकिस्तान शाहींस भी दोहा की परिस्थितियों से अच्छी तरह परिचित है।

भारत-ए जीत की प्रबल दावेदार

कुल मिलाकर बल्लेबाजी की गहराई, मजबूत मध्यक्रम और अनुभवी खिलाड़ियों के चलते भारत-ए का पलड़ा भारी नजर आता है। पाकिस्तान की जीत के लिए शुरुआती विकेट लेना और भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि 22 नवंबर को दोहा में किस टीम का प्रदर्शन बेहतर रहता है।

मलयेशियाई जोड़ी ने दी शिकस्त

सात्विक और चिराग हॉन्गकॉन्ग ओपन के सेमीफाइनल में हारे

कोवलून। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मलयेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी मान वेई चोंग और टी काई वुन से सीधे गेम में हार गई। इस साल सिंगापुर और चीन में खिताब जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी को 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।



मैच में शुरू से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और वे लगभग बराबरी के साथ आगे बढ़ते रहे। पहले गेम में स्कोर 4-4 से 7-7 हो गया। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली और 10-10 के स्कोर पर मलयेशिया की टीम ने अंक बनाकर इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल की।

सात्विक और चिराग ने इसके बाद भी कड़ी चुनौती दी लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी तथा 18-19 के स्कोर के बाद दो गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले पर ही गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय जोड़ी ने एक समय 7-3 की बढ़त बना ली, लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 9-7 कर दिया। वे इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रहे।

मलयेशियाई टीम ने अपनी बढ़त को 14-9 कर दिया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद अच्छी वापसी करके स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद मलयेशियाई खिलाड़ियों ने चिराग को निशाना बनाकर मैच पॉइंट हासिल किया और फिर मैच जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: न्यूजीलैंड के घर में भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया दम

कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूके

टॉप-5 ने बनाए 50+ रन, तीन शतकीय साझेदारी

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। तीसरा दिन पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा और कीवी गेंदबाजों को आज सिर्फ तीन ही सफलता मिली। भारत के लिए केएल राहुल ने शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूक गए। दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन बनाए हैं और उसे 118 रन की बढ़त मिल चुकी है। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 55 और नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे अंशुल कंबोज खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे।

गेंदबाजों पर बनाया दबाव

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। भारत ने अच्छी बल्लेबाजी की और तीसर दिन शनिवार को एक विकेट पर 159 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज 325 रन बनाए। भारत को तीन झटके देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगे। राहुल ने टेस्ट करियर का 13वां शतक लगाया। उन्होंने पडिक्कल के साथ 165 रन की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने भी दूसरा टेस्ट अर्धशतक लगाया। पडिक्कल 175 गेंद में 10 चौके की मदद से 80 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, राहुल ने 290 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान गिल स्टंप्स से ठीक पहले 98 रन बनाकर आउट हुए और 12वें शतक से दो रन से चूक गए। उन्हें जैकब डफी



ने क्लीन बोल्ड किया। गिल ने पंत के साथ 100 रन की साझेदारी निभाई। भारतीय पारी की खास बात यह रही कि शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने 50+ स्कोर किए। पंत ने भी 55 गेंद में टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले शुक्रवार को यशस्वी जायसवाल 89 गेंद में 16 चौके की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए थे।

राहुल की ऐतिहासिक पारी

केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 203 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक है। इसके साथ ही राहुल स्वह्न (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बन गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे ओपनर हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के सईद अनवर ऐसा कर चुके हैं। राहुल ने इस शतक के साथ एक खास अंतरराष्ट्रीय सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एशियाई बल्लेबाजों में मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सईद अनवर, राहुल द्रविड़, यूनिस खान, कुमार संगकारा, विराट कोहली और केएल राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने चारों देशों में टेस्ट शतक लगाए हैं। हालांकि, इनमें सिर्फ सईद अनवर और केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने बतौर ओपनर यह उपलब्धि हासिल की है। स्वह्न देशों में भारतीय ओपनरों के टेस्ट शतकों की सूची में सुनील गावस्कर शीर्ष पर हैं।



फुटबाल

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन हुए चोटिल महीनों तक रहना पड़ सकता है बाहर

लंदन। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन बायर्न म्यूनिख और कोलोन के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच के दौरान चोटिल हो गए जिसके कारण उन्हें 'अगले कुछ महीनों' तक खेल से बाहर रहना पड़ सकता है। उनके बाएं टखने में 'लिगामेंट' फट गया है और इस बैलोन डि ओर विजेता को पूरी तरह फिट होने में कुछ महीने का समय लगेगा।कोलोन के डिफेंडर जोएल श्मिड ने केन को पेनल्टी एरिया में गिरा दिया। केन दर्द से कराह उठे। उन्होंने हालांकि थोड़ी देर के लिए खेलना जारी रखा लेकिन जल्द ही मैदान पर उपचार लेने के बाद दो फिजियोथेरेपिस्ट के साथ मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए। बायर्न यूनिख ने बयान में कहा, 'हैरी केन शुक्रवार को बायर्न म्यूनिख के बुंडेसलिगा में कोलोन के खिलाफ घरेलू मैच के दौरान चोटिल हो गए।



विवाद

पूर्व पति से जुड़ा मामला, मुक्केबाज मैरी कॉम को कोर्ट ने दिया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में औपचारिक संज्ञान लेने से पहले नोटिस जारी किया। यह मामला मैरी काम के पूर्व पति ने दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मैरी काम ने एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उनके बारे में झूठी और छवि खराब करने वाली टिप्पणियां की थीं। मैरी कॉम के पूर्व पति करोंग ओंखोलर ने छह अक्तूबर को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मैरी काम ने उनके वैवाहिक संबंध खत्म होने के बाद इस साल 11 जनवरी को प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवम गुप्ता ने यह देखते हुए नोटिस जारी किया कि ओंखोलर की ओर से समन जारी करने से पहले पेश किए जाने वाले साक्ष्य की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।



दोषी

डोपिंग में फंसी भारतीय एथलीट किरण बालियान, 8 साल का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेलों से डोपिंग का दाग छूटने का नाम नहीं ले रहा है और एक बार फिर मेडल विजेता खिलाड़ी ने अपनी हरकत से देश को शर्मिंदा किया है. एशियन गेम्स 2022 में विमेंस शॉट पुट की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट किरण बालियान को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और इसके चलते 8 साल के लिए बैन कर दिया गया है. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा.



यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं

सूर्यकुमार की वापसी के रास्ते बंद!

मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर रहे कप्तानी, प्रदर्शन रहा शानदार

बीसीसीआई के सूत्र के मुताबिक-फिलहाल उनके लिए जगह उपलब्ध नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव राष्ट्रीय टीम में वापसी की जुगत में लगे हुए हैं। सूर्यकुमार की वापसी की राह हालांकि मुश्किल नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद फिलहाल भारतीय टीम में उनके लिए जगह नहीं बन पा रही है।

सूर्यकुमार की वापसी पर आया अपडेट

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, 'सूर्यकुमार फिलहाल हमारी चयन योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हम तो अभी तक सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी के लिए भी जगह नहीं बना पाए हैं।' सूत्र ने आगे कहा कि सूर्यकुमार यादव कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम के संयोजन में उन्हें शामिल करना मुश्किल है। सूत्र ने कहा, हां, सूर्यकुमार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, सवाल यह है कि मौजूदा भारतीय टीम में हम उन्हें कहां फिट कर सकते हैं। फिलहाल उनके लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है। हम सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी को भी जगह नहीं दे पा रहे हैं, तो मौजूदा टीम में सूर्यकुमार को कहां फिट करेंगे? फिलहाल हम उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में दम दिखा रहे सूर्यकुमार

मालूम हो कि सूर्यकुमार यादव ने 2026 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी की थी और टीम को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, आईपीएल के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान नियुक्त किया गया। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में महज 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली थी। उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे।



29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल

इसके बाद गुजरात के खिलाफ भी सूर्यकुमार का बल्ला जमकर चला। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल थे। उनकी इस विस्फोटक पारी की मदद से मुंबई ने 199 रन का लक्ष्य महज 15.4 ओवर में पांच विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। वहीं, गोवा के खिलाफ तीसरे मुकाबले में भी सूर्यकुमार ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 12 गेंदों पर 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन छक्के लगाए। मुंबई ने यह मुकाबला 18 रन से अपने नाम किया। अच्छी पारियों के बावजूद सूत्र के बयान से साफ है कि फिलहाल भारतीय टीम में उनकी वापसी को लेकर चयनकर्ता विचार नहीं कर रहे हैं।

बेमिसाल रहा है सूर्यकुमार का टी-20 करियर

मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की काबिलियत के कारण 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर सूर्यकुमार के आंकड़े बेहद शानदार हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 36.35 की औसत और 162.98 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 3,272 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। साल 2022 में वे दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने थे और 2022 व 2023 में लगातार दो बार टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुने गए थे। अब देखना यह होगा कि घरेलू क्रिकेट में इस दमदार प्रदर्शन के बाद सिलेक्टर्स अपने फैसले पर दोबारा विचार करते हैं या नहीं।

घरेलू क्रिकेट में जमकर बोल रहा है सूर्या का बल्ला

टीम इंडिया से बाहर होने के बावजूद सूर्यकुमार ने हार नहीं मानी है और वे घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी का पुराना अंदाज देखने को मिल रहा है:

हैदराबाद के खिलाफ: 14 नवंबर को उन्होंने महज 15 गेंदों में फिफ्टी जड़ी और 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन (6 चौके, 5 छक्के) बनाकर मुंबई को 7 विकेट से जीत दिलाई।

गुजरात के खिलाफ: सूर्या ने 29 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत मुंबई ने 199 रनों का बड़ा लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया।

गोवा के खिलाफ: उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 25 रन ठोके और टीम को 18 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।